ISSN 2349-6614

अक्टूबर 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

जगमगाते हुए दीपों के
इशारे देखो
आज हर सिम्त नज़र डालो
नज़ारे देखो

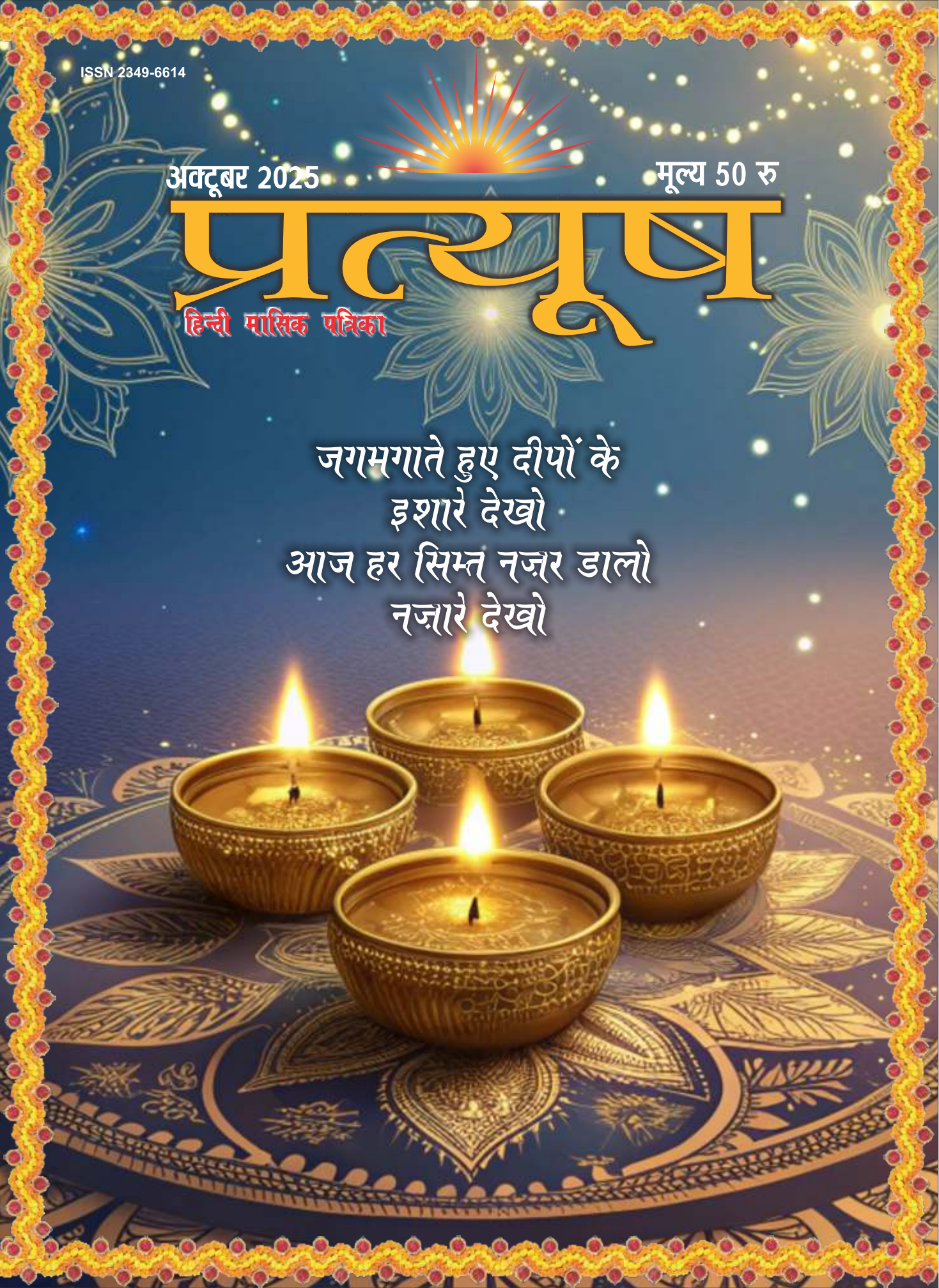

SK KHETAN GROUP

S.K. KHETAN GROUP
Mining Milestones, Constructing Legacies

S.K. Khetan Group
is a business conglomerate with diversified interest in exploration, opencast & underground mining, industrial and civil infrastructure. Having been accredited with ISO 9001:2015, ISO 14001:2015, ISO 45001:2018. the group is actively involved to facilitate end to end solutions in mining and excavation work and turnkey infrastructure development projects including construction of roads, bridges, highways, canals, railways and heavy structure works. Apart from the above the group has successfully set firm footholds in the field of Education and Hospitality.

SKK BLU HOTEL & SPA
UDAIPUR

SKK THE FERN
JAISALMER

NATURE VILLAGE RESORT
PUSHKAR

MOUNT LITERA ZEE SCHOOL
UDAIPUR

M-SAND

AGGREGATES

HUME PIPES

Head Office: SKK Elite, 43-44, I Block, Sector 14, Hiran Magri, Udaipur, Rajasthan 313001
CONTACT: 0294 264 0999

अक्टूबर 2025 वर्ष: 23 अंक: 06

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

अंदर के पृष्ठों पर...

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अध्यात्म

विजया दशमी
शक्ति से मुक्ति की यात्रा
पेज 10

दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

खेल-खिलाड़ी

क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से पुजारा रिटायर
पेज 34

शरद पूर्णिमा

सोलह कला परिपूर्ण चन्द्रमा से अमृत वर्षा
पेज 20

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

सभी फसलों के लिये लाभदायक खाद

NUMBER ONE BRAND

सूर्य किरण

बेहतर गुणवत्ता | फसल उत्पादन में वृद्धि | मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार

Manufactured & Marketed by

PATEL PHOSCHEM LIMITED

Head Office: 413, 414, 415, Urban Square Mall, RIICO Industrial Area, Sukher, Udaipur, Rajasthan - 313001
Umarda Unit: 4827, Umarda Industrial Area, Umarda, Th. Girva, Udaipur (Raj) - 313003
Khemli Unit: 2184, 2875, Village, Khemli, Th. Mavli, Udaipur (Raj) - 313201
Mobile: +91 9166237035

Patel ENTERPRISES

Manufacturer of fertilizer, Chemical and Synthetic Gypsum Plant & Machineries

Unit Zinc Smelter: Zinc Chauraha, Debari, Udaipur(Raj)
Unit Gudli: Gudli Industrial Area, Udaipur(Raj.)

उपभोक्ता की ताकत से बाजार को गति

'जीएसटी' देश में सरल, अधिक न्यायसंगत और विकासोन्मुखी अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह कर-दरों को न्यायसंगत बनाकर और व्यापक ढांचागत व प्रक्रिया संबंधी सुधारों के जरिये घरेलू क्रय शक्ति बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को मजबूती से आगे बढ़ाएगा। यहआत्मनिर्भर भारत के लिए प्रेरक के रूप में काम करेगा और मौजूदा-भू-राजनीतिक माहौल में जीवन को सुगम व सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

यूं तो वर्ष 2017 में जीएसटी के लागू होने के बाद उसमें समय-समय पर परिवर्तन किए जाते रहे, लेकिन 3 सितंबर को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने जो फैसले किए, वे पूर्वापेक्षा अधिक महत्वपूर्ण और आम आदमी को राहत देने वाले हैं। अमेरिका में डॉनल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से ही वैश्विक व्यापार में बड़ी उथल-पुथल है। चूंकि भारत रूस से तेल खरीदता है, इससे उन्हे बड़ी तकलीफ है, इसी नाराजगी के चलते उन्होंने जुलाई-अगस्त में भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ थोप कर दबाने का प्रयास किया है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि भारत दबावों में कभी झुकता नहीं है। हांलाकि अमेरिका के इस टैरिफ से भारत की अर्थव्यवस्था के सामने एक बार तो कठिनाई खड़ी हुई ही है। दोनों देशों में वार्ताओं का दौर जारी हैं। दोनों देश चाहते हैं कि आपसी संबंधों में खटास पैदा न होने पाए।

ऐसे में जीएसटी स्लैब में सुधार काफी जरूरी थे। वैसे भी चार तरह के टैक्स स्लैब के कारण जीएसटी प्रणाली का मूल उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा था। उम्मीद की जा रही है कि टैक्स में छूट से घरेलू खपत बढ़ेगी जिससे 'ट्रंप टैरिफ' से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा।

सरकार ने जीएसटी प्रणाली में सुधार करते हुए अब सिर्फ दो तरह के स्लैब बरकरार रखे हैं, जो 22 सितंबर से लागू हो गए। अब यह राज्य सरकारों को देखना है कि इन सुधारों का फायदा आम आदमी तक पहुंचे और मुनाफाखोर उन्हें लूट न लें। जीएसटी परिषद ने आवश्यक वस्तुओं को करमुक्त करने के साथ कई वस्तुओं पर टैक्स घटाकर घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और छोटे कारोबारियों को काफी राहत दी है। प्रधानमंत्री ने जीएसटी स्लैब में कटौती का संकेत स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से अपने भाषण में कर दिया था।

इस कटौती से राज्य सरकारों को 47,700 करोड़ रुपए के राजस्व से हाथ धोना पड़ेगा लेकिन टैक्स की दरें कम होने से अधिक खरीदारी होगी जिससे अंततः राजस्व में बढ़ोतरी ही होगी। खरीदारी बढ़ने से अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था खपत आधारित है न कि निर्यात आधारित। देश की जीडीपी दर पिछली तिमाही में 7 फीसदी से भी ज्यादा रही थी जो भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को करारा जवाब भी है और सबक भी। अब इस गति को बनाए रखने में टैक्स कटौती का यह अभूतपूर्व कदम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रोजमर्रा के सामान, खाने-पीने की वस्तुओं, कारों, ट्रकों, सीमेंट वगैरह जैसी चीजों पर टैक्स या तो खत्म कर दिया गया है या घटा दिया गया है। इससे ग्राहकों, खासकर मिडिल क्लास को काफी फायदा होगा। कम टैक्स देने से वे कहीं ज्यादा खरीदारी कर सकेंगे। सीमेंट पर टैक्स घटने से रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी आएगी। सर्विस सेक्टर जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है उसे भी सहारा मिलेगा। जीवन रक्षक दवाओं पर टैक्स हटाकर काउंसिल ने बड़ी राहत दी है। विशेषज्ञों के अनुसार यह सुधार अगली 4 से 6 तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी को सौ से एक सौ बीस आधार अंक तक बढ़ा सकता है। कंप्लांइस शिकायतों और कानूनी जटिलताओं में कमी से कारोबारी माहौल और निवेश आकर्षक बनेगा। एएसटीएटी के संचालन से अपीलीय तंत्र में विश्वास बढ़ेगा। एसबीआई रिसर्च के मुताबिक सरकारी खजाने को सालाना औसत 85 हजार करोड़ का नुकसान होगा। लेकिन खपत से 1.98 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। वहीं जेफरीज व मॉर्गन स्टैनली का आंकलन है कि 2.4 लाख करोड़ की अतिरिक्त मांग बढ़ सकती है। खपत बढ़ने से खुदरा महंगाई में कोई इजाफा नहीं होगा क्योंकि इसमें उपभोग की वस्तुओं पर कर कम कर दिया है। खुदरा महंगाई में 0.15 फीसदी तक कमी आ सकती है। जीएसटी और आयकर दरों में कटौती को मिलाकर उपभोग खर्च में 5.31 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त वृद्धि होगी, जो जीडीपी का करीब 1.6 फीसदी है।

प्रत्यूष

हिमालय के हादसे बता रहे पहाड़ों पर सब ठीक नहीं

मो.फारुख आजम

प्राकृतिक आपदा हमेशा ऐसी उथल-पुथल लेकर आती है। जिसमें बड़ी संख्या में जानमाल का नुकसान होता है। पिछले दिनों पहाड़ी इलाकों में पहाड़ी क्षेत्रों में हुई ऐसी ही आपदाओं से देश को रूबरू होना पड़ा। हिमालयी इलाकों में एक ऐसे तंत्र की आवश्यता है, जो एक साथ भारी वर्षा, भूस्खलन, हिम झीलों के टूटने, ग्लेशियरों के पिघलने से होने वाले जोखिमों का मूल्यांकन करे और उनकी जटिल अंत:क्रियाओं पर भी मंथन करे।

जम्मू कश्मीर में बारिश ने पांच दशकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया, 26 अगस्त को वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन में 30 से भी अधिक लोगों के मारे जाने की सूचना आई। राज्य के कई इलाकों में बादल फटने और बाढ़ से तबाही हुई। इसके पहले उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में 5 अगस्त को अचानक आई बाढ़ में धराली के कई मकान और हर्षिल स्थित सैन्य शिविर बह गए। यह कोई पहली ऐसी घटना नहीं है। हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र पहले भी इस तरह की आपदाओं का गवाह रहा है। नेपाल की लिमी घाटी के तिल गांव में 15 को आई विनाशकारी बाढ़ और 8 जुलाई को रसुवा में भोटेकोशी नदी घाटी में हिम झील फटने से आई बाढ़ इसके उदाहरण हैं।

बादल फटने और लगातार भारी वर्षा के कारण जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में अभूतपूर्व बाढ़ आई। चिनाब नदी घाटी के किनारे बसे अनेक गांव इसमें डूब गए। इस घटना में भी दर्जनों लोगों की जान चली गई और हजारों विस्थापित हो गए। पुल, सड़कें और जलविद्युत केन्द्र भी बह गए। ये तमाम आपदाएं हिमालयी इलाकों में अनेक प्रकार के खतरों की संवदेनशीलता की ओर इशारा करती हैं और अत्यधिक वर्षा पहाड़ की नाजुक ढलानों और बाढ़-प्रवण घाटियों में

निर्माण गतिविधियों के प्रति सावधान करती हैं। इस इलाकों में एक ऐसे तंत्र की आवश्यकता है, जो एक साथ भारी वर्षा, भूस्खलन, हिमझीलों के टूटने, पर्माफ्रॉस्ट और ग्लेशियरों के पिघलने से पैदा होने वाले जोखिमों का मूल्यांकन करे और उनकी जटिल अंत:क्रियाओं पर भी विचार करे।

हिंदूकुश हिमालय के ग्लेशियर भयानक रूप से पिघल रहे हैं। इसके कारण इन क्षेत्रों की नदियों की धाराएं भी बदल रही हैं। इन नाजुक परिस्थितियों में ये सब क्रायोस्फेरिक टाइम बम बन गए हैं, जो मुख्य रूप से पर्माफ्रॉस्ट के तेजी से पिघलने से बनते हैं और कार्बन डाई ऑक्साइड व मीथेन जैसी शक्तिशाली ग्रीन हाउस गैसों के रूप में संग्रहित कार्बन का उत्सर्जन करते हैं। यह उत्सर्जन वैश्विक तापमान में वृद्धि को तीव्र करता है। ये झीलें भूस्खलन, भूकंप, भारी वर्षा या हिमस्खलन के कारण अचानक और विनाशकारी बाढ़ के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं। दो साल पूर्व 3 अक्टूबर 2023 को सिक्किम में आई आपदा इसका ज्वलंत उदाहरण हैं। यह हादसा हिंदूकुश क्षेत्र में महत्वपूर्ण पर्माफ्रॉस्ट की अनदेखी को उजागर करता है। आर्कटिक क्षेत्र में पर्माफ्रॉस्ट का व्यापक अध्ययन हो चुका है, जबकि हिंदूकुश क्षेत्र में इसके पिघलने की और हाल में ध्यान गया है। पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना

पर्वतीय ढलानों में हलचल मचा सकता है, भूस्खलन का कारण बन सकता है। ऐसे समय में जब दुनिया गर्म हो रही है, तब हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में मौसम जनित विभीषिकाएं तेजी से बढ़ रही हैं। 2010 में लेह में बादल फटना, 2013 में केदारनाथ त्रासदी, 2021 में मेलम्ची बाढ़ और हाल ही में उत्तरकाशी की घटना-सभी भारी वर्षा के कारण हुई हैं।

प्रकृति में इन आपदाओं के जरिये बार-बार चेतावनी दे रही है। इसका हमें तुरंत संज्ञान लेना चाहिए और नाजुक क्रायोस्फीयर सिस्टम, ग्लेशियरों, बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट को बचाने के प्रभावी प्रयास करने चाहिए। हालांकि इन घटनाओं से संभलने के मॉडल मौजूद है। लेकिन, उनकी सटीकता वहां से प्राप्त आंकड़ों की गुणवत्ता पर निर्भर है। दुर्भाग्य से हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में घटना के मूल स्थान पर प्रत्यक्ष रूप से निगरानी की कमी है। यहां हमें प्रभावी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और खतरा रोकने की रणनीति बनाने के लिए बेहद ऊंचाई वाले क्षेत्र से डाटा संग्रह पर अधिक जोर देने की जरूरत है। आपदा तभी मानी जाती है, जब उसका असर लोगों या उनके बुनियादी ढांचे पर पड़ता है। इसलिए वैज्ञानिक तरीके से मानव बस्तियों और बुनियादी ढांचे के विकास की योजना बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक कदम क्रायोस्फेरिक जोखिम वाले देश के मानचित्रण का हो सकता है, जो यह मार्गदर्शन कर सके कि हिमनद और बेहद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में विकास कहां और कैसे होना चाहिए। याद रखें, कुछ मिनट की चेतावनी भी जिदगी और मौत के बीच फर्क ला सकती है। चुनौती यह है कि त्रासदी से पहले कार्रवाई की जाए।

(लेखक आईआईटी, इंदौर में प्रोफेसर हैं)

आधुनिकता की दौड़ में हमने पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया है। जहां संभव नहीं था, वहां भी विस्फोटकों की मदद से पहाड़ों को खोखला कर दिया। वहां न केवल सुरंगे बनाई, बल्कि पर्यटन के लिए रास्ते भी निकाले। पहाड़ों से लेकर हरित क्षेत्रों, कृषि भूमि और नदी-नालों के आसपास अतिक्रमण कर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी, जिसकी वजह से बारिश के मौसम में अवरुद्ध जल की निकासी बड़ी समस्या सामने आई। पानी को रास्ता नहीं मिलने से कई इलाकों में जान-माल की बड़ी हानि हुई।

जुलाई और अगस्त में आपदाएं

☛ **1 जुलाई 2025:** मंडी जिले में सात स्थानों (गोहर, करसोंग, थनाग, धर्मपुर) पर बादल फटने की घटनाएं। 10 लोगों की मौत , 30 लोग लापता। 406 सड़कें बंद, अनुमानित नुकसान 500 करोड़ रुपए।

☛ **5 अगस्त:** उत्तरकाशी के धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही। खीर गंगा नदी में मलबा आने से बाढ़, कई घर और हर्षिल का सैन्य शिविर बह गया। चार लोगों की मौत, 50 से अधिक लापता।

☛ **6 अगस्त:** उत्तराखंड के पौड़ी जिले में बुरांसी गांव में बादल फटने से मलबा गिरा, एक महिला की मौत।

☛ **14 अगस्त:** जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चोसिटी गांव में बादल फटने से 60 से ज्यादा लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल।

☛ **19 अगस्त:** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और मंडी में बादल फटने से भारी तबाही।

☛ **23 अगस्त:** चमोली जिले में भूस्खलन से एक व्यक्ति की मौत, 9 घायल

☛ **26 अगस्त:** वैष्णो देवी तीर्थयात्रा मार्ग पर भारी बारिश और भूस्खलन से 35 लोगों की मौत। डोडा के खारा चारवाह में चार लोगों की मौत, कई मकान बहे।

☛ **27 अगस्त:** शिमला, कुल्लू और मंडी में बादल फटने से 22 लोग लापता। रामपुर (शिमला) में समेज खड्ड में बाढ़ से 19 लोग लापता। मंडी के चोहर घाटी में तीन लोग लापता।

☛ **29 अगस्त:** रुद्रप्रयाग के छेनागाड़ में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण पांच लोगों की मौत।

☛ **30 अगस्त:** रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने से एक ही परिवार के सात लोगों समेत 11 की मौत।

संकलन: पंकज कुमार शर्मा

पूर्व और वर्तमान का मिलन

सीपी राधाकृष्णन नए उपराष्ट्रपति

देश के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन का निर्वाचित होना भाजपा को तमिलनाडु में स्थापित करने में सहायक हो न हो लेकिन उनकी शालीनता और संगठनात्मक अनुभव संसदीय परम्पराओं को मज़बूत व शुचिता बनाए रखने में अवश्य मददगार सिद्ध होंगे। पूर्ववर्ती जगदीप धनखड़ पिछले कुछ समय से सदन में मंत्रियों के साथ इस तरह का व्यवहार कर रहे थे, जिससे सरकार के सामने प्रायः असहजता की स्थिति पैदा हो रही थी।

राजवीर

किशोरावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 'स्वयंसेवक' बने और जनसंघ से राजनीतिक पारी की शुरुआत करने वाले तथा तमिलनाडु में लंबे समय तक भाजपा की एक धुरी रहे चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन 9 सितंबर को देश के 15वें उप राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। राजग के उम्मीदवार राधाकृष्णन ने विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी (तेलंगाना)को सीधे मुकाबले में 152 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 तथा विपक्ष के प्रत्याशी सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उन्हें 12 सितंबर को पद की शपथ दिलाई।

कुल 98.2 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्वाचक मंडल के कुल 781 सदस्यों में से 767 (एक डाक मतपत्र समेत) ने मतदान किया था। 15 वोट अवैध करार दिए गए। खास बात रही कि राधाकृष्णन को एनडीए के 427 वोटों के मुकाबले 25 वोट अधिक मिले। एनडीए को जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस के घोषित समर्थन के अलावा 14 अन्य सांसदों का भी साथ मिला जो गठबंधन में शामिल नहीं थे।

राधाकृष्णन के खाते में बेशक कोई बहुत बड़ी उपलब्धि भले न हो, मगर वह 'सही समय पर सही व्यक्ति' के रूप में राजनीति में ऊपर उठते गए। उनकी जीत को भाजपा द्वारा दो विवादास्पद नियुक्तियों से मिले जख्मों पर मरहम लगाने के रूप में देखा जा रहा है। ये दोनों नियुक्तियां हैं- जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में सत्यपाल मलिक (जिनका पिछले दिनों निधन हो गया), और उप-राष्ट्रपति के रूप में जगदीप धनखड़ की। चूंकि धनखड़ के करीब दो माह पूर्व अचानक इस्तीफा देने के कारण ही यह चुनाव हुआ, इसलिए बीते घटनाक्रमों से सबक लेकर सावधानीपूर्वक ऐसे व्यक्ति की तलाश की गई, जो मौजूदा हालात में मुफीद हो।

राधाकृष्णन साल 1998 और 1999 में कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र से दो बार सांसद रह चुके हैं, हालांकि दोनों जीत उन्हें जयललिता के नेतृत्व वाले अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन करने के कारण मिली थी। इसके बाद 2004, 2014 और 2019 के संसदीय चुनावों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद 2023 में वह झारखंड के राज्यपाल बनाए गए। हालांकि, एक साल के बाद ही उनको महाराष्ट्र भेज दिया गया। उनका सियासी सफर खत्म ही माना जा रहा था कि भाजपा ने अचानक उपराष्ट्रपति पद के रिक्त स्थान के लिए उनके नाम का एलान कर दिया।

राधाकृष्णन 2004 से 2006 के बीच तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष भी रह चुके हैं और अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन कराने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, यह साझेदारी बहुत सफल साबित नहीं हुई। 1970 के दशक में जब भगवा पार्टी जनता पार्टी में शामिल हुई और बाद में दोहरी सदस्यता के मुद्दे पर उससे अलग हो गई थी, तब उन्होंने ही राज्य की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई थी। फिर भी, वह एक करिश्माई नेता नहीं माने गए। राधाकृष्णन हमेशा शांत, सज्जन और कम

बोलने वाले व्यक्ति रहे हैं। किसी बड़े राजनैतिक विवाद में भी उनका नाम नहीं आया।

उपराष्ट्रपति के तौर पर उनका सफर अब अलग तरह का होगा, जिसमें उनके सामने कई चुनौतियां भी होंगी। सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा के सभापति के रूप में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाने की होगी, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष ने आसन की निष्पक्षता को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं।

क्या राधाकृष्णन की जीत तमिल भावना को उभार सकती है? क्या यह जीत 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में रुख मोड़ पाएगी? इसकी संभावना कम ही है, क्योंकि वह जिस समुदाय (कोंगु वेल्लालर) से आते हैं, उसका एकमुश्त समर्थन पहले से ही भाजपा को मिलता रहा है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई, भाजपा विधायक वनती श्रीनिवासन और गठबंधन सहयोगी अन्नाद्रमुक के नेता ई पलानीस्वामी इसी समुदाय से आते हैं।

राजनैतिक सफर

नाम : चंद्रपुरम पोनूसामी राधाकृष्णन
जन्म : 20 अक्टूबर 1957, तिरुपुर, तमिलनाडु
शिक्षा व प्रारंभिक करियर
बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक
सियासी सफर
1974 : भारतीय जनसंघ में स्टेट एक्जक्यूटिव कमेटी के मेंबर बने
1996 : तमिलनाडु में भाजपा के सचिव नियुक्त किए गए
1998 और 1999 में कोयंबटूर से लोकसभा सांसद चुने गए
31 जुलाई 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल बने
9 सितंबर 2025 को देश के 15वें राष्ट्रपति निर्वाचित होकर 12 सितंबर को पद की शपथ ली
भाजपा में बढ़ा कद
2020 से 2022 तक केरल भाजपा के ऑल इंडिया प्रभारी रहे
2004 से 2007 तक तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष रहे

सीपी राधाकृष्णन को भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई। सार्वजनिक जीवन में आपके दशकों के समृद्ध अनुभव राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मैं आपको एक सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

–द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

राधाकृष्णन का जीवन हमेशा समाजसेवा और कमजोर वर्ग के लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा है। सीपी राधाकृष्णन जी को 2025 का उपराष्ट्रपति चुनाव जीतने पर बधाई। मुझे विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत बनाने के साथ-साथ संसदीय संवाद को आगे बढ़ाएंगे।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आज, सांसदों ने भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में अपना फैसला सुना दिया है। मैं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में अटूट विश्वास के साथ इस परिणाम को विनम्रता से स्वीकार करता हूं। नए उपराष्ट्रपति जी को बधाई।

–सुदर्शन रेड्डी, विपक्ष के प्रत्याशी

Happy Diwali

Anup Kumar Jhambani
Director

Industrial Electricals

Authorised Dealer For

Schneider Electric · FLUKE Calibration · Empire CABLES · Unique CABLES · minilec · MKAY POWER CONTROLS · METRAVI · ascon · HPL · "JAYKAY" Sirens · HEX · KAYCEE · COOPER Bussmann · connectwell ...The Right Connection · M-seal · 3M

Shop No. 157-B, Shakti Nagar (In the street Near RSEB-GSS) Udaipur-313 001 (Raj.)
Phone : 0294 - 2422742, 2411879, Mob. : 9829072047
E-mail : info@industrialelectricals.com, Website : www.industrialelectricals.com

विजया दशमी
शक्ति से मुक्ति की यात्रा

विजयदशमी का मतलब है कि आपने रजस, तमस और सत्व, इन तीनों गुणों को जीत लिया है। यानी आप किसी में उलझे नहीं। आप इन तीनों गुणों से होकर गुजरे, तीनों को देखा, तीनों में भागीदारी की, लेकिन आप इन तीनों से किसी भी तरह बंधे नहीं, आपने इन पर विजय पा ली।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

जब धरती के उत्तरी गोलार्द्ध में सूर्य उत्तर से दक्षिण की ओर चलना शुरू करते हैं, उसे दक्षिणायन कहते हैं। जून से दिसंबर तक के दक्षिणायन हिस्से को साधना पद कहा जाता है। इस काल को नारीत्व-प्रधान माना जाता है, जिसमें पृथ्वी स्त्री-प्रधान भूमिका निभाती है। इन छह महीनों के दौरान जो भी पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं, वे प्राय: सभी स्त्री-तत्व ऊर्जा से जुड़े होते हैं। साल के इस स्त्री-प्रधान आधे हिस्से की पहली तिथि को शारदीय विषुव (जहां दिन रात बराबर होते हैं) के तौर पर जाना जाता है। और इसके बाद पड़ने वाली पहली अमावस्या को महालय अमावस्या कहते हैं। यह अपने सभी पूर्वजों, पितरों व पिछली पीढ़ी के लोगों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का खास दिन है। साथ ही, महालय अमावस्या से देवी काल की शुरुआत हो जाती है। महालय अमावस्या का अगला दिन नवरात्रि या दशहरा का पहला दिन माना जाता है। मूल रूप से दशहरा या नवरात्रि का समय देवी आराधना या शक्ति की उपासना से जुड़ा है। नवरात्रि के नौ दिन मूल रूप से तीन गुणों –रजस, तमस और सत्व- में बांटे गए हैं, जो त्रिगुण के नाम से भी जाने जाते हैं। किसी भी जीव के अस्तित्व के लिए ये तीन गुण ही मुख्य आधार हैं। रजो, तमो और सतो, इन तीनों गुणों के बिना कोई अस्तित्व संभव नहीं है। यहां तक कि एक अणु भी इन गुणों से मुक्त नहीं है। अगर ये तीनों तत्व मौजूद नहीं होंगे तो कोई भी चीज टिक नहीं सकेगी, वह बिखर जाएगी। इसलिए हर चीज में ये तीनों गुण मौजूद हैं। अब सवाल यह है कि आप इन तीनों को किस अनुपात में मिलाते हैं। तमस का शाब्दिक अर्थ है निष्क्रियता और ठहराव। रजस का आशय है सक्रियता और जोश, जबकि सत्व का मतलब है अपनी सीमाओं को तोड़ना, विसर्जन, विलयन व एकाकार। तीन मुख्य आकाशीय पिण्डों-सूर्य, पृथ्वी चंद्रमा से हमारे शरीर व सांसारिकता से जुड़ी चीजों की कामना करते हैं, वे देवी के तमस रूप की आराधना करेंगे, जैसे काली व धरती माता। जो लोग- दौलत, ऐश्वर्य, जीवन व सांसारिकता से जुड़ी चीजों की कामना करते हैं, वे देवी के रजस रूप की आराधना करेंगे, जिसमें देवी लक्ष्मी व सूर्य आते हैं। लेकिन जो लोग ज्ञान, चेतना, उत्कर्ष और नश्वर शरीर की सीमाओं से ऊपर उठने की कामना करते हैं, वे देवी के सत्व रूप की आराधना करेंगे, जिसका प्रतीक सरस्वती और चंद्रमा हैं। नवरात्रि के पहले तीन दिन तमस के माने जाते हैं, जिसकी देवी दुर्गा या काली हैं। इसके अगले तीन दिन रजस या लक्ष्मी से जुड़े माने जाते हैं, जो सांसारिकता से जुड़े हुए हैं। वहीं आखिरी तीन दिन सत्व से जुड़े माने जाते हैं, जिसकी देवी सरस्वती हैं, जो ज्ञान और विद्या से संबंधित हैं। इन तीनों गुणों में अपनी जिंदगी निवेश करने के तरीके से आपके जीवन की दशा व दिशा तय होती है। अगर आप तमस पर ज्यादा जोर देते हैं तो आप जीवन में एक खास तरीके से ताकतवर होते हैं। इसी तरह से अगर आप रजस पर जोर देते हैं तो आप एक अलग तरीके से शक्तिशाली होते हैं, लेकिन अगर आप सत्व में निवेश करते हैं तो आप पूरी तरह बिल्कुल एक अलग तरीके से समर्थ बन जाते हैं। लेकिन अगर आप इन तीनों ही तत्वों से ऊपर उठ जाते हैं तो फिर मामला शक्ति का नहीं रहता, बल्कि मुक्ति से जुड़ जाता है। नवरात्रि के बाद दशहरे का अंतिम यानी दसवां दिन है – विजयदशमी, जिसका मतलब है कि आपने इन तीनों ही गुणों को जीत लिया है। यानी इस दौरान आप इनमें से किसी में नहीं उलझे। आप इन तानों से किसी भी तरह बंधे नहीं, आपने इन पर विजय पा ली। यही विजयादशमी का संदेश है। इस तरह से नवरात्रि के नौ दिनों का आशय जीवन के हर पहलू के साथ पूरे उत्सव के साथ जुड़ना है। अगर आप जीवन में हर चीज के प्रति उत्सव का नजरिया रखेंगे तो आप जीवन को लेकर कभी गंभीर नहीं होंगे, साथ ही आप हमेशा उसमें पूरी तरह से शरीक होंगे। दरअसल, आध्यात्मिकता का सार भी यही है।

रजिस्ट्रेशन नं. 1311 वाई
दिनांक 07.09.1963
PAN No. AAAAUO159K

फोन नम्बर (0294) 2413680, 2413522
E MAIL ID- usutbludr@yahoo.com
GST No. 08AAAAU0159KIZD

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.

(Regd Under the Rajasthan Co-op. Societies Act. 1953)

शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राज.) 313001

International Year Of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार द्वारा दी जा रही सेवाओं का विवरण

सस्ती एवं निःशुल्क दवाईयों की सुविधा

सभी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर संचालित सहकारी दवाघरों के माध्यम से एम.आर.पी. से कम दरों पर गुणवत्तायुक्त दवाईयां आमजन हेतु उपलब्ध इसके साथ ही आर.जी.एच.एस. लाभार्थियों को योजनान्तर्गत 'केशलेस सुविधा' उपलब्ध है।

सहकारी सुपरमार्केट

घर के स्वाद और बजट का ख्याल

उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता की खाद्य सामग्री विभिन्न आकर्षक उपहार योजनाओं के साथ भंडार द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित सुपरमार्केट्स पर उपलब्ध है।

दीपावली पर शुद्ध देशी घी से निर्मित मिठाइयां उपलब्ध।

मोटा अनाज (मिलेट्स फूड्स) (राज्य सरकार के निर्देशानुसार) सभी सुपरमार्केटों पर उपलब्ध हैं।

सहकार में नवाचार

उदयपुर में नई सौगात –

कॉ-ऑप राइड/बाइक ऑन रेंट

उदयपर आने वाले पर्यटकों एवं आमजनों को उदयपुर सहकारी उपभोक्ता भंडार की नई सौगात को–ऑप राइड/बाइक ऑन रेंट मात्र

349/- रुपए में उपलब्ध

Call on: 8003466357 or Visit - thokbhandar.com

विश्वास के साथ खरीदें - सहकारी ब्रांड से

सरकारी नियंत्रण व निगरानी से संचालित

सेवा, गुणवत्ता और बचत - सब कुछ एक जगह

सहकारिता की शक्ति - जनता के हित में

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भंडार - आपके साथ हर मोड़ पर

गुंजन चौबे
प्रशासक

डॉ. प्रमोद कुमार
महाप्रबंधक

समुद्र में भारत की बढ़ती ताकत उदयगिरी-हिमगिरि

अमित शर्मा

नौ सेना का काम केवल समुद्र की रक्षा तक सीमित नहीं है, यह देश की आर्थिक सुरक्षा का भी अहम स्तंभ है। नौ सेना न केवल तटीय क्षेत्रों की रक्षा करती हैं, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि बनाए रखने में भी खास भूमिका निभाती है। ऐसे में उदयगिरि व हिमगिरि नौसेना की ताकत में इजाफा तो करेंगे ही, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक बड़ी उपलब्धि है।

भारतीय नौ सेना के बेड़े में ब्रह्मोस मिसाइल से लैस आधुनिक युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि के शामिल होने से हिंद महासागर में भारत की पकड़ और मजबूत होगी। इन दोनों युद्धपोत के आने से भारत न सिर्फ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की निगरानी में तेजी ला सकेगा, बल्कि मलक्का जलडमरूमध्य तक चीन के जहाजों की हर हलचल भी नजर रख पाएगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और नौ सेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की मौजूदगी में दोनों युद्धपोत का 26 अगस्त को विशाखापत्तनम स्थित बेस पर जलवतरण हुआ। यह पहला अवसर था जब दो अलग-अलग शिपयार्डों में निर्मित दो अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू जहाजों को एक साथ कमीशन किया गया। नौ सेना में इनके शामिल होने से युद्ध तत्परता में तो इजाफा हुआ ही है, युद्धपोत डिजाइन एवं निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प की भी पुष्टि हुई है।

उल्लेखनीय है कि इनके के जलावतरण से कुछ दिन पूर्व आईएनएस विक्रांत के डेक से रक्षामंत्री ने भारतीय नौ सेना को आश्वस्त किया था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' समाप्त नहीं हुआ है और यदि फिर से जरूरत हुई तो संभावना यही है कि

इसकी शुरुआत हमारी नौसेना द्वारा ही की जाएगी। उदयगिरि को मुम्बई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने जबकि हिमगिरी को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने तैयार किया है। इनका डिजाइन ऐसा है कि ये रडार को चकमा देने में सक्षम हैं। इनमें डीजल और गैस टर्बाइन दोनों हैं। ये आधुनिक मिसाइल, तोप और पनडुब्बी रोधी हथियारों से लैस हैं। नौ सेना के अत्याधुनिक प्रोजेक्ट 17-ए के तहत बने ये युद्धपोत आठ-आठ ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस है और इनमें आधुनिक हथियार के साथ सेंसर सिस्टम भी लगा है। हाल के वर्षों में चीन हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति को बढ़ा रहा है, खासकर श्रीलंका, मालदीव और अफ्रीकी तटों के बंदरगाहों पर। वहीं पाकिस्तान में ग्वादर पोर्ट पर उसकी बढ़ती नौ सैनिक गतिविधियां भारत की चिंता को बढ़ाने वाली हैं। ऐसे में उदयगिरि व हिमगिरि का जलावतरण भारत का एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कदम है।

हथियार

▣ ये पोत हेलिकॉप्टर ऑपरेशन के लिए सी किंग हेलिकॉप्टर ले जा सकते हैं, जो पनडुब्बी और सतही जहाजों को खोजने–मारने में सक्षम है। इन पोत पर ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से लैस होंगे। जो समुद्र और जमीन दोनों लक्ष्यों पर 290+ किमी की दूरी से हमला करने में सक्षम है।

▣ अंतिम चरण में आने वाली मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराने की क्षमता, सोनार सिस्टम से लैस है, गहरे पानी में पनडुब्बी का पता लगाने में सक्षम।

▣ अरब सागर में पाकिस्तान की नौसैनिक गतिविधियों और ग्वादर पोर्ट पर चीनी मौजूदगी निगरानी, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर में चीनी युद्धपोतों व पनडुब्बियों पर हर पल रखेंगे नजर।

युद्धपोतों में क्या खास?

रडार: अवशोषक (रडार एबसोंरबेंट) मैटेरियल और एंगल्ड डिजाइन के कारण दुश्मन के रडार पर इन पोत की पहचान बेहद मुश्किल।

वजन: ये पोत लगभग 6670 टन वजनी हैं।

रेंज: एक बार ईंधन भरने के बाद 10 हजार किमी से ज्यादा तक जा सकता है।

गति: करीब 52 किमी/घंटा

लंबाई: 149 मीटर (करीब 15 मंजिला इमारत के बराबर)

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

मनोज दक
डायरेक्टर

Mo. 9414169689

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

DAK PAKESRS & MOVERS ALL OVER INDIA

बांसवाड़ा गोल्डन ट्रांसपोर्ट कं.

नेहरू बाजार, उदयपुर (राज.)

डेली सर्विस : उदयपुर से बांसवाड़ा, सागवाड़ा, परतापुर, सलुम्बर आसपुर, साबला, तलावड़ा, घाटोल, कलिंजरा, बागीदौरा, कुशलगढ़, सज्जनगढ़, पालोदा, आसपुर, बड़गी, चीतरी, गलियाकोट

पंचायतों की मजबूती के पक्षधर थे - बापू

श्यामलाल चतुर्वेदी

महात्मा गांधी का मानना था कि भारत में कई फेरबदल और क्रांतियां आईं। इन सबके बीच भारतीय जनता को बचा ले जाने का सबसे अधिक श्रेय ग्राम्य विकास संस्थाओं को जाता है। इन्होंने लोगों को सुखी रखा और एक हद तक उनकी आजादी की रक्षा भी की है, इसलिए मैं चाहता हूं कि ग्रामीण संस्थाओं को नहीं छोड़ा जाए। मैं उन तमाम चीजों से डरता हूं, जो इनका नाश करना चाहती हैं। गांधीजी को ग्राम पंचायतों से इतना लगाव था कि वे उन्हें ग्राम उद्धारक संघ कहते थे। प्राचीन भारतीय संस्कृति में स्थित गांव अर्थ तथा प्रशासन और व्यवस्था के क्षेत्र में पूर्ण स्वावलम्बी थे। इनके पतन ने ग्राम में दलबंदी और लड़ाई - झगड़े, ईर्ष्या-द्वेष, निरक्षरता, शरारत, फूट, लापरवाही आदि दुष्प्रवृत्तियों को विकसित किया। ग्राम के लोग पंचायतों के माध्यम से ही अपने विवादों का निपटारा किया करते थे। उनके निर्णय सर्वमान्य और सर्वग्राह्य हुआ करते थे।

गांधीजी का कहना था कि ग्रामीण पंचायतों को प्रभावशाली तथा प्राचीन गौरव के अनुकूल होने में कुछ समय अवश्य लगेगा। यदि प्रारंभ में ही उनके हाथों में दण्डकारी शक्ति सौंप दी गई तो उसका अनुकूल प्रभाव पड़ेगा, इसलिए ग्राम पंचायतों को प्रारंभ से ही ऐसे अधिकार देने में सतर्कता आवश्यक है, जिनके कारण वह बदनाम न हो जाएं। शुरू-शुरू में यह जरूरी है कि पंचायत को जुर्माना करने या किसी का सामाजिक बहिष्कार करने की सत्ता न दी जाए। गांवों में सामाजिक बहिष्कार अज्ञान या अविवेकी लोगों के हाथ में एक खतरनाक हथियार सिद्ध हुआ है। जुर्माना करने का अधिकार भी हानिकारक साबित हो सकता है और अपने उद्देश्य को नष्ट कर सकता है। उनके इस विचार का तात्पर्य पंचायत को अधिकार विहिन बनाना नहीं, बल्कि अधिकारों का दण्ड देने के रूप में संयमित प्रयोग किए जाने से था। गांधीजी चाहते थे कि पंचायत के कार्यों में शिक्षा के साथ ग्रामोपयोगी उद्योग को भी जोड़ा जाए। पंचायत को अधिकार भोगने वाली संस्था न बनकर सद्भाव जागृत करने वाली रचनात्मक संस्थान के रूप में विकसित किया जाए। यह संस्था गांव में सुधार का वातावरण पैदा कर सकती है। नशीली वस्तुओं का सेवन करने वाले व्यक्ति पंचायत के सद्भावपूर्ण वातावरण के कारण अपनी इन दुष्प्रवृत्तियों को छोड़ सकते हैं।

महात्मा गांधी का मानना था कि विकेन्द्रीकरण सर्वोत्तम शीघ्रगामी तथा एक देश को सतह से निर्मित करने के लिए सबसे उपयुक्त साधन है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु उन्होंने प्रत्येक शिक्षित भारतीय को वापस गांव जाने का सुझाव दिया था, जिससे कि वह समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान दे सके। विकेन्द्रीयकरण की आधारशिला सादा जीवन उच्च विचार और श्रम की पवित्रता है। वे कहते थे कि मेरी कल्पना की ग्राम व्यवस्था में शोषण है ही नहीं और शोषण ही तो हिंसा की जड़ है।

बापू अपने को ग्रामवासी ही मानते थे। गांव की जरूरत पूरी करने के लिए उन्होंने अनेक संस्थाएं स्थापित की। उनका कहना था कि ग्रामवासियों की शारीरिक, आर्थिक, सामाजिक और नैतिक स्थिति में सुधार करके ही देश को सभी दृष्टि से अपराजेय बनाया जा सकता है। ब्रिटिश सरकार द्वारा गांवों को पराश्रित बनाने का जो षड्यंत्र किया गया इसे वे समझकर ही ग्रामोत्थान को सब रोगों की एक दवा मानते थे। महात्मा जी ग्राम पंचायत को अधिकार के अहंकार से अलग उत्तरदायित्व समझने वाले संस्थान के रूप में चाहते थे। शिक्षा, सफाई, दवाखाना, कुएं, तालाबों और धर्मस्थलों जैसे सार्वजनिक स्थानों की रक्षा करना उनका सामाजिक कर्त्तव्य होना चाहिए, अनियमित और नियम विरुद्ध काम करने वाली पंचायत अपने ही बोझ से दबकर खत्म हो जाएगी। गांधी जी कहते थे जो पंचायत गांव वालों की सद्भावना खो दे, उसे तोड़ दिया जाए और उसके स्थान पर दूसरी पंचायत चुन ली जाए।

महके और महकाएं
गुलाब
चंदन
KANCHAN
Premium Incense Sticks
महके और महकाएं....
CAI
CHITTORA AGARBATTI INDUSTRIES
UDAIPUR
राजेश चित्तौड़ा
9414160914
चंदन
गुलाब
Mogra
CHITTORA
AGARBATTI INDUSTRIES
Mfg. : Handmade Agarbatti 'N' Perfumers
Glass Bottles etc.
1,2 Central Jail Colony Nr. Central Jail, Tekri Road Udaipur (Raj.)
Email : rajeshchittora27@gmail.com

सकल जगतारिणी है छठ मईया

रेणु शर्मा

भारत में सूर्योपासना के कई प्रसिद्ध लोक पर्व हैं, जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ भी कहा जाता है। इस पर्व को बिहार, पूर्वी उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, छतीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है, जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यह भगवान सूर्य, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित पर्व हैं।

सब सुख से रहें। सब स्वस्थ रहें। सभी भद्र दिखें। किसी कोई कष्ट-पीड़ा न हो। भारतीय जीवन पद्धति का यह मूल उद्देश्य है। इस सुख में भौतिक और आध्यात्मिक, दोनों सुख समाहित हैं। कार्तिक शुक्ल षष्ठी को डूबते हुए सूरज और सप्तमी को उगते हुए सूरज की पूजा करते हुए व्रतीजन परिवार में सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में क्रमश: नहाय, खाय, खरना, सांझ का अर्ध्य और सुबह का अर्ध्य चढ़ाने की परम्परा का निर्वाह होता है। संतान प्राप्ति के लिए भी इस पर्व में भगवान सूर्य का आह्वान किया जाता है। इस संबंध में अनेक पौराणिक कथाएं भी प्रचलित हैं।

दीपावली के छठे दिन सूर्य षष्ठी पर्व आता है, जिसे लोकभाषा में छठ कहते हैं। यह पूरी तरह से लोकपर्व है, जिसमें लोकभाषा में रचे परंपरागत रूप से सैकड़ों वर्षों से गाए जाने वाले लोकगीतों से ही भगवान सूर्य की आराधना की जाती है। भविष्य पुराण में प्रसंग आता है कि धौम्य ऋषि ने द्रोपदी को सुकन्या द्वारा छठ व्रत करने तथा इसके महात्म्य के बारे बताया था। इस पर द्रोपदी ने यह व्रत किया और छठ मईया की कृपा से वह 88 हजार ऋषियों को तृप्त कर अपने पति पांडवों की मर्यादा रख सकी और शत्रुओं के समूल विनाश का आशीर्वाद पा सकी।

घर में ही भगवान सूर्य को भोग लगाने के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बादनिर्जला निराहार उपवास शुरू हो जाता है। इसी दिन भगवान सूर्य को अर्ध्य देने के लिए देशी घी में पकवान बनाए जाते हैं। षष्ठी को तालाब-पोखर और नदी के घाट को साफ-सफाई कर सजाया जाता है और विशेष रोशनी की जाती है। नैवेद्य सामग्री में ठेकुओं के अलावा केले, नींबू, अनार, नारियल और अन्य मौसमी फल, पान-सुपारी, कच्ची हल्दी और अदरक की गांठें, मूली, गन्ने के टुकड़े होते हैं। सूर्यास्त से थोड़ी देर पूर्व व्रती स्त्री-पुरुष, नदी-तालाब में डुबकी लगाते हैं और कमर तक जल में करबद्ध होकर सूर्यास्त की प्रतीक्षा करते हैं। सप्तमी को तड़के ही पुन: नैवेद्य सामग्री लेकर लोगों का रेला नदी तटों की ओर रवाना हो जाता है। भोर के धुंधलके में जगमगाते दीपक और जल में उसका प्रतिबिम्ब अद्भुत दीपमालिका का दृश्य उपस्थित करते हैं। इस समय होने वाली आतिशबाजी दीपावली को भी मात देती है। व्रती कमर तक जल में उतरकर करबद्ध प्रार्थना की मुद्रा में खड़े होकर सूर्योदय की प्रतीक्षा करते हैं।

शरद ऋतु और भोर की ठंडी हवा भी उनकी आस्था को नहीं डिगा पाती। जैसे ही क्षितिज पर लालिमा दिखाई देती है, भगवान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू हो जाता है। परिवार के सदस्य बारी-बारी में व्रती को अर्घ्य का सूप पकड़ाते हैं और सूप पर दूध का अर्घ्य डालते हैं। अर्घ्य देकर व्रती महिलाएं सुहागिनों की मांग भरकर, आंचल में प्रसाद देकर सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद देती हैं। नि:संकोच भाव से परिचित-अपरिचित प्रसाद मांगते हैं और व्रती उन्मुक्त भाव से प्रसाद वितरित करते हैं। इसके साथ ही व्रत की पूर्णाहुति होती है और लोग पूजन सामग्री लेकर घर लौट आते हैं।

घर पहुंचने पर परिवार के छोटे सदस्य परात में पानी लेकर व्रती के चरण धोते हैं और आशीर्वाद लेते हैं। इसके बाद व्रती छठ माता का प्रसाद खाकर निर्जल उपवास का पारण करते हैं। सप्तमी का दिन सभी प्रकार से शुभ माना जाता है। कोई भी शुभ कार्य इस दिन शुरु किया जा सकता है। किसी भी दशा में यात्रा के लिए यह सर्वोत्तम योग का दिन होता है।

Happy Diwali

Universal
Power Industries

Engineers & Manufacturer :

✦ Monoblock Pump ✦ Power Fector Correction ✦ AMF Panel ✦ Synchronizing of DG ✦ Switch Gear LT/HT ✦ Power Control Panel ✦ Motor Control Panel ✦ Stone Process Machine Panel ✦ Automation Panel ✦ Automatic Power Fector Panel

1, SPL. Com, Industrial Estate, Pratap Nagar, Udaipur-313 001
Ph. : 0294-2490230 (W) 2490373 (R)

Telemecanique
Square D
Merlin Gerin

Authorised Service Contractors
Schneider Electric India Pvt. Ltd.

प्रत्यूष

डाक विभाग अब भी प्रासंगिक

पंकज कुमार शर्मा

प्रतिवर्ष 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस मनाया जाता है और इसी के साथ भारतीय डाक विभाग द्वारा हर साल राष्ट्रीय सप्ताह की शुरुआत हो जाती है। राष्ट्रीय डाक सप्ताह के आयोजन का उद्देश्य लोगों और व्यवसायों के रोजमर्रा के जीवन में डाक क्षेत्र की भूमिका और देश के सामाजिक व आर्थिक विकास में इसके योगदान के बारे में जागरूकता पैदा करना है। भारतीय डाक विभाग में डाकघरों को चार श्रेणियों में बांटा गया है, प्रधान डाकघर, उप-डाकघर, अतिरिक्त विभागीय उप-डाकघर तथा अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर निर्धारित जनसंख्या, दूरी एवं आय से संबंधित मानकों के अनुरूप ही किसी क्षेत्र में डाकघर खोला जाता है। भारतीय डाक विभाग द्वारा देशभर में पिन कोड नंबर (पोस्टल इंडेक्स नंबर) के आधार पर ही डाक वितरण का कार्य किया जाता है। देश की आजादी के बाद भारतीय डाक विभाग के नेटवर्क में सात गुना से भी ज्यादा वृद्धि के साथ यह विश्व का सबसे बड़ा पोस्टल नेटवर्क बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघर स्थापित करने पर सरकार द्वारा काफी सब्सिडी दी जाती है, जो पर्वतीय और दुर्गम क्षेत्रों व रेगिस्तानी इलाकों में 85 फीसदी तक होती है, जबकि सामान्य ग्रामीण इलाकों में 68 फीसदी तक होती है। देश-विदेश तक सूचनाएं पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सस्ता और सुगम साधन रहा भारतीय डाक विभाग पिछले कुछ वर्षों में सूचना तकनीक के नए माध्यमों के प्रसार तथा डाक वितरण क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते प्रभुत्व के कारण भले ही पिछड़ता नजर आया है लेकिन समय के बदलाव को भांपते हुए इसने मौजूदा सेवाओं में अपेक्षित सुधार और स्वयं को कुछ नई तकनीकी सेवाओं से जोड़ते हुए डाक, पार्सल, पत्रों इत्यादि को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। करीब तीन दशक पहले नई तकनीक आधारित सेवाओं की शुरुआत करने के बाद से इन सेवाओं का निरंतर तकनीकी विकास किया गया। बढ़ती चुनौतियों के मद्देनजर डाकघरों के ग्राहकों को भी बैंकों जैसी बेहतर सुविधाएं देने के लिए 1 सितंबर 2018 से इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) के रूप में स्थापित किया जा चुका है। जिसके जरिए अब बैंकों के साथ-साथ डाकघर भी लोगों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

DR. PRADEEP J BANDWAL
MBBS, MS
Obstetrician & Gynecologist
IVF expert & Gynec Endoscopic Surgeon

नारायणी
हॉस्पिटल एन्ड आई वी एफ सेन्टर
(A unit of NWHFC Pvt. Ltd.)

Dr. Anamika Choudhary
MBBS, DGO, MRCOG (London), FMAS
Fellowship in Reproductive Medicine
Obstetrician & Gynecologist
IVF expert & Gynec Endoscopic Surgeon

Mrs. Nirmala Bandwal
M.Sc., Clinical Embryology& reproductive Genetics
Chief Embryologist

State of the Art Center for Women's Healthcare & Wellbeing. Our Center is dedicated to providing comprehensive and exceptional healthcare services for women.

हमारी विशेषताएँ

सम्पूर्ण गर्भावस्था देखभाल
गर्भावस्था के हर चरण में विशेष मार्गदर्शन एवं देखभाल

आधुनिक आई.वी.एफ. सेन्टर
नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित IVF लैब

यूरोगायनेकोलॉजी
महिलाओं की यूरिनरी संबंधी समस्याओं का समाधान

नॉर्मल डिलीवरी व सिजेरियन ऑपरेशन
सुरक्षित प्रसव के लिए विश्वस्तरीय लेबर रूम और ऑपरेशन थियेटर

आधुनिक एंडोस्कोपी सेन्टर
लेप्रोस्कॉपी एवं हिस्ट्रोस्कोपी से विभिन्न सर्जरी

कॉस्मेटिक गायनेकोलॉजी
महिलाओं के अतरंग अंगों की बनावट और कार्यक्षमता में सुधार करना

www.narayaniivf.com
narayaniivf@gmail.com
8690996631, 8690996632, 7014998844
162 ए, सिंधी कॉलोनी, राजकमल होटल के सामने, भुवाणा बाइपास रोड, भुवाणा, उदयपुर - 313001 (राज.)

कशिश क्लिनिक

वैवाहिक जीवन में फिर से आ सकती है खुशियां

वैधराज एम राजपूत

B.A.M.S. रजि. नं. 27528

आयुर्वेदाचार्य यौन रोग चिकित्सक

www.kashishclinic.com

www.kashishclinic.online

दूरियाँ हैं ?तो मिटेंगी

जर्मन लीनियर शॉकवेव थेरेपी व आयुर्वेदिक दवाइयों द्वारा

बिना किसी साईड ईफेक्ट | दर्द | सर्जरी

पुरूषत्व में कमी | अंग की विकृति | यौन समस्याओं का उपचार

स्वप्नदोष, शुक्राणु की कमी,
दिमागी दुर्बलता, धातु विकार, शीघ्रपतन

शराबी को बिना बताये शराब छुड़ाए

19, दूसरी मंजिल, सिटी स्टेशन रोड़, सूरजपोल, उदयपुर (राज.)

0294-2425522, +919460277 035

सोलह कला परिपूर्ण चंद्रमा से अमृत वर्षा

उर्वशी शर्मा

सभी पूर्णिमाओं में शरद पूर्णिमा का खास महत्व है। हिंदू पंचाग के अनुसार आश्विन माह की पूर्णिमा ही शरद पूर्णिमा है। इस बार यह 6 अक्टूबर को है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा भगवान श्रीविष्णु के चार माह के शयनकाल का अंतिम चरण है। इस दिन सोलह कलाओं से परिपूर्ण चंद्रमा रातभर अपनी किरणों से अमृत की वर्षा करता है।

शरद पूर्णिमा से ही सर्दियों का आरंभ माना जाता है। जगत कल्याण के लिए भगवान श्री कृष्ण ने महारासलीला इसी पूर्णिमा की चांदनी में की थी। इस पूर्णिमा पर चांद की किरणों से बरसा अमृत औषधि का काम करता है। महादेव के मन में भी श्रीकृष्ण की रासलीला देखने की इच्छा इतनी प्रबल थी कि वे शरद पूर्णिमा की महारासलीला में गोपिका का रूप धारण कर सम्मिलित हुए। आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक जब भगवान विष्णु शयन मुद्रा में होते हैं तो पृथ्वी पर भूखमरी, दरिद्रता व सूखे की देवी अलक्ष्मी का साम्राज्य रहता है इन्हीं के साथ प्रलय के अन्य तीन देवताओं, ज्वर-बुखार जन्य रोगों के स्वामी रूद्र, भूस्खलन बाढ़ और सूखे के स्वामी वरूण तथा अनेक रोगों, दुर्घटनाओं एवं अकाल मृत्यु के स्वामी यम का पृथ्वी पर तांडव रहता है। इस अवधि में देवप्राण कमजोर पड़ जाते हैं और आसुरी शक्तियों का वर्चस्व बढ़ जाता है परिणामस्वरूप पृथ्वी पर पाप बढ़ जाते हैं। शक्ति साधना के पर्व नवरात्रि के नवें दिन मां सिद्धिदात्री की आराधना करके जब दशमी तिथि को व्रत पारणा होती है, तो अगले ही दिन विष्णुप्रिया पापांकुशा एकादशी के दिन मां लक्ष्मी पापों पर अंकुश लगाना आरंभ कर देती है। शरद पूर्णिमा के दिन जब भगवान कृष्ण अपनी नौ लाख गोपिकाओं के साथ स्वयं के ही नौ लाख अलग-अलग गोप रूप में महारास कर रहे होते हैं तो मां महालक्ष्मी पृथ्वी पर घर-घर जाकर दुख दारिद्रय से मुक्ति का वरदान देती हैं किंतु जिस घर के सभी प्राणी सो रहे होते हैं वहां से लक्ष्मी दरवाजे से ही लौट जाती है। तभी शास्त्रों में इस पूर्णिमा को कोजागर व्रत यानि कौन जाग रहा है व्रत भी कहते हैं। इस दिन रात्रि में की गई लक्ष्मी पूजा सभी कर्जों से मुक्ति दिलाती हैं। अत: शास्त्र इस शरदपूर्णिमा को कर्जमुक्ति पूर्णिमा भी कहते हैं। रात्रि में मां लक्ष्मी की षोडशोपचार विधि से पूजा करके श्रीसूक्त का पाठ, कनकधारा स्रोत, विष्णु सहस्रनाम का पाठ अथवा भगवान कृष्ण का मधुराष्टकम पाठ ईष्ट कार्यों की सिद्धि दिलाता है, पूजा में मिष्ठान, मेवे और खीर का भोग लगाएं, रात्रि में ही बड़े पात्र में खीर बनाकर खुले आसमान में अथवा छत पर रखें। पौराणिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा को मध्यरात्रि में चंद्रमा की सोलह कलाओं से अमृत वर्षा होने पर ओस के कण के रूप में अमृत बूंदें खीर के पात्र में भी गिरेंगी जिसके फलस्वरूप खीर अमृत तुल्य हो जाएगी, जिसको प्रसाद रूप में ग्रहण करने से प्राणी आरोग्य एवं कांतिवान रहेंगे।

शरद पूर्णिमा की रात छत पर खीर रखने के पीछे वैज्ञानिक तथ्य भी है। खीर दूध और चावल से बनती है। दरअसल दूध में लैक्टिक नाम का अम्ल होता है। यह एक ऐसा तत्व है जो चन्द्रमा की किरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। वहीं चावल में स्टार्च होने के कारण यह प्रक्रिया आसान हो जाती है। इसी के चलते सदियों से ऋषि-मुनियों ने शरद पूर्णिमा की रात्रि में खीर खुले आसमान में रखने का विधान किया है और इस खीर का सेवन सेहत के लिए महत्वपूर्ण बताया है। एक अन्य वैज्ञानिक मान्यता के अनुसार इस दिन दूध से बने उत्पाद का चांदी के पात्र में सेवन करना चाहिए। चांदी में प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। इससे विषाणु दूर रहते हैं। खीर में मिश्रित दूध, चीनी और चावल के कारक भी चंद्रमा ही हैं। अत: इनमें चंद्रमा का प्रभाव सर्वाधिक रहता है जिसके परिणाम स्वरूप किसी भी जातक की जन्म कुंडली में चंद्रमा क्षीण हो, महादशा-अंतर्दशा या प्रत्यंतर्दशा चल रही हो या चन्द्रमा छठवें, आठवें या बारहवें भाव में हो तो चंद्रमा की पूजा करते हुए स्फटिक माला से सौ सामाय मंत्र का जाप करें ऐसा करने से चन्द्रजन्य दोष से शांति मिलेगी।

Reemaz
Fabrics & Boutique
स्टाइल
और
एलीगेंस का
परफेक्ट संगम!
Our Service
Retail Fabrics | Custom Stitching | Dying Fabrics | Custom Designing |
Hand & Machine Embroidery | Fabric Printing & Painting
92, Navratan, Near Celebration Garden,
Udaipur, Rajasthan, India
+91 98280 70860
www.reemaz.in

प्रत्यूष

रोजगार के अभाव में भटकती युवा पीढ़ी

देश-विदेश में श्रीमद्भागवत कथा करने वाले उदयपुर निवासी भागवताचार्य *पं. गोपाल कृष्ण व्यास* से पिछले दिनों पत्रकार *राजेन्द्र शेखर व्यास* ने श्रीमद् भागवत अनुष्ठान के बाद धर्म-संस्कृति, घर-परिवार, रिश्ते एवं युवाओं की दशा-दिशा को लेकर वार्ता की। प्रस्तुत हैं, सम्पादित सार-संक्षेपण। इस बात-चीत में व्यास जी ने चार बातों पर विशेष जोर दिया।

■ **भौतिक** दौर में मानव पर धन एवं स्वार्थ का नशा हावी है, इससे बचा जाए।

■ **धर्म-समाज**-संस्कार-संस्कृति के प्रति अरुचि से युवा वर्ग का भला नहीं होगा।

■ **राजनीतिक** में सम्प्रदायवाद न घुसने पाए क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए घातक है।

■ **देश** में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं।

आज के भौतिक दौर में मानव सिर्फ धन और स्वार्थ के नशे में डूबा है। इसमें वह अपने धर्म संस्कार को भी भूलता जा रहा है, रिश्तों को भी नहीं समझ रहा; जो इस रास्ते पर बढ़ चले हैं उनके लिए पतन की राह तय है। आधुनिकता से तालमेल के साथ धर्म, संस्कार, संस्कृति और रिश्तों की अहमियत के साथ अनुभव एवं वरिष्ठता के सम्मान को भी पूरी तवज्जो दी जाए ताकि प्रगति के द्वार खुले रहें।

आज के दौर में भारतीय युवा पढ़-लिखकर अच्छे पैकेज के साथ देश-विदेश में नौकरी की जुगत में लगे रहते हैं। इसके लिए विद्यार्थियों का लक्ष्य विदेश में बसना भी होता है, किंतु हरेक को यह मौका मिलना संभव भी नहीं होता। काफी वर्षों से देश में रोजगार कम ही सृजित हो रहे हैं। बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ रही है। युवा किंकर्तव्यविमूढ़ हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करके भी रोजगार के अभाव में भटक रहे हैं। ऐसे में आर्थिक तंगी के साथ फैशन, आधुनिकता और पाश्चात्य प्रभाव में वे उग्र भी होते जा रहे हैं। मां-बाप एवं बुजुर्गों के प्रति श्रद्धा और समर्पण का भाव भी शनैः-शनैः घटता जा रहा है, दूरियां बढ़ती जा रही हैं। हालात यह हैं कि उन्हें अपने बड़े बुजुर्ग तक से बहस करने में गुरेज नहीं। एक समय था जब बच्चे अपने माता-पिता और बुजुर्गों की आज्ञा के बिना एक कदम आगे नहीं बढ़ाते थे, उनसे पूछे बिना कोई कार्य नहीं करते थे। आज किशोर वय में आते ही बच्चे स्वयं को माता-पिता और बुजुर्गों से ज्यादा समझदार और विवेकशील समझने लगे हैं, अच्छी बात है। मगर,

व्यासपीठ पर श्रीमद्भागवताचार्य पं. गोपालकृष्ण दशोरा। पास खड़े हैं राजेन्द्र शेखर व्यास।

बुजुर्गियत का ख्याल तो उन्हें रखना ही चाहिए, दंभ न हो। यह आधुनिकता इन्हें न जाने कहां ले जाएगी? बच्चों में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ में उचित-अनुचित का ध्यान भी नहीं है। जिसमें अधिकांश माता-पिता भी कहीं न कहीं दोषी हैं; क्योंकि समय रहते उन्होंने बच्चों को संस्कार और संस्कृति का पाठ पढ़ाने में विलंब जो कर दिया, कहीं न कहीं कमी रखी। एक निश्चित वय के बाद बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही पग-पग पर उसके संपर्कों का ख्याल न रखना, अपनी संतान को सबसे आगे देखने की चाह, पड़ोसियों, व्यवहारियों एवं मित्रों की संतानों से प्रतिस्पर्धी भाव में उन्हें अपनी भूमिका का अहसास भी नहीं है। ऐसे में बच्चे पढ़-लिखकर होशियार तो हो रहे हैं किंतु परिवार की तरफ से मिली खुली छूट और उनकी गतिविधियों पर निगाह न रखने का परिणाम ही है कि वे राह से भटक भी रहे हैं। इसमें इंटरनेट और मोबाइल की भूमिका भी कम नहीं। सोशल मीडिया बच्चों पर बुरी कदर हावी है। आज चार-पांच साल का बच्चा भी मोबाइल पर गेमिंग कर रहा है। ऐसा नहीं कि हर बच्चा इसके जरिए राह से भटक जाता है। कुछ बच्चे इसका सदुपयोग करते हैं तो कुछ दुरुपयोग भी। यही दुरूपयोग भारी पड़ जाता है। जो बच्चे अपने अभिभावक को अपना मोबाइल तक नहीं देखने देते, और देते भी हैं तो लाख कोशिश कर लीजिए वह आपको अपने मोबाइल का पासवार्ड नहीं बताएंगे। ऐसे बच्चों पर पैनी नजर अतिआवश्यक है। यदि उस पर नजर रखने का प्रयास करते हैं तो वह उग्र हो जाता है, बहस करने लगता है।

ऐसे बच्चों में एकाकी भाव ज्यादा हावी होता जा रहा है। वे एकाकी रहना ज्यादा पसंद करते हैं, घंटों मोबाइल में ही खोए रहते हैं। इस दौरान उन्हें घर का कोई कार्य कह दो तो झुंझला उठते हैं। यही राह से भटकने की पहली सीढ़ी है।

बच्चों में शारीरिक श्रम और खेल गतिविधियों के प्रति भी रुचि क्षीण होती जा रही है। किसी समय खेल मैदान में बच्चों की भीड़ लगी रहती थी, अखाड़ों में मल्लयुद्ध हुआ करते थे। हर बच्चा खेलने को आतुर दिखता था, इंतजार करता था कि उसका नंबर कब आएगा? किंतु आज ये मैदान-अखाड़े वीरान हैं। मंदिर जाने और भक्ति भजन करने में भी उनकी रुचि नहीं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़े बच्चे पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित हैं।

फैशन और आधुनिकता से कदमताल करते हुए उनका धर्म-समाज, संस्कार,संस्कृति और रिश्तों से कोई लेना देना नहीं है। युवा सनातन धर्म-परम्परा और संस्कार से विमुख होकर सुविधाभोगी होता जा रहा है।

जब पानी सिर के ऊपर से निकल जाता है तब ऐसे बच्चों के अभिभावकों की नींद खुलती है, वे काफी डरे हुए और किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंच चुके होते हैं। जब चौतरफा पीड़ाएं उन्हें घेर लेती हैं तब वे

भी धर्म की तरफ खिंचे चले आते हैं। इंसान जब सुखी और खुशहाल होता है तब प्रभु की याद नहीं आती, किंतु समस्याओं से घिरने और काफी प्रयासों के बाद भी उनसे न उबर पाने पर प्रभु की शरण लेता है, मंदिर जाने लगता है, मिन्नतें लेता है, पूजा पाठ, जप-तप करने लगता है। वैसे प्रभु की कृपा प्राप्त करनी है तो अभिभावकों को शुरू से ही उनके निकट जाना होगा। अपने भीतर झांकना होगा तभी भगवद भक्ति जागेगी, भगवद प्राप्ति के द्वार खुलेंगे और अहसास होगा कि जीवन तो यही है।

राजनीतिज्ञों को धर्म के नाम पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। यह परिपाटी लोकतंत्र के लिए खतरा है। आज देश में राजनीतिक दल अपने को लोकतंत्र से ऊपर समझने लगे हैं। कारण कि ये दल येनकेन प्रकारेण सत्तासीन होने के लिए छटपटा रहे हैं । परिणाम यह है कि सत्ता संघर्ष में स्वार्थ हावी है। चुनाव प्रक्रिया और मतदान की गरिमा ताक पर रख दी गई है। ऐसे में आमजन के मत की पवित्रता, अधिकार और शक्ति के कोई मायने नहीं रह गए हैं। मताधिकार एक तरह से नष्ट-भ्रष्ट हो गया है। चुनाव में धांधली से वोट की कीमत गौण हो गई है। प्रत्येक राजनीतिक दल के लिए धर्म के प्रति आस्था और विश्वास एक समान होना आवश्यक है, सम्प्रदायवाद घातक है। देश में किसी भी राजनीतिक दल पर धर्म- समाज के ठेकेदार का ठप्पा लगना देश के भविष्य के लिए सुखद संकेत नहीं। इससे देश की अनेकता में एकता की छवि धूमिल होती है।

देर रात भोजन से होती हैं, हड्डिया कमजोर

अगर आप नाश्ता नहीं कर पाते और रात को भोजन भी देर से करते हैं तो यह काफी हानिकारक हो सकता है।

एक नए अध्ययन में सामने आया है कि जो लोग प्रातः नाश्ता छोड़ते हैं और रात का खाना भी देर से खाते हैं, उनमें हड्डियों से जुड़ी बीमारी (ऑस्टियोपोरोसिस) होने का खतरा ज्यादा होता है। ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी हड्डियों को कमजोर और पतली करती हैं। इसकी वजह से कूल्हे, हाथ, रीढ़ की हड्डी या कंधे की हड्डियां जल्दी टूट जाती हैं। जापान में नारा मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अध्ययन किया। जिसमें पाया गया कि नाश्ता नहीं करना, देर रात खाना, धूम्रपान, शराब पीना, कम व्यायाम करना, कम नींद लेना जैसी आदतें जिन लोगों में होती हैं, उनमें गठिया व हड्डी टूटने की संभावना ज्यादा होती है। (एजेंसी)

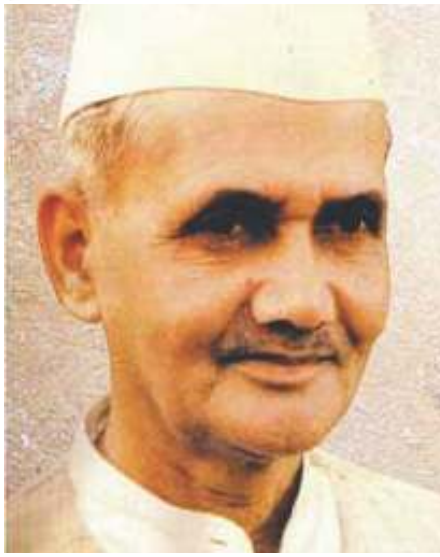

सादगी व सच्चाई की प्रतिमूर्ति थे- शास्त्री जी

सादा जीवन उच्च विचार के धनी लालबहादुर शास्त्री 1937 में उत्तर प्रदेश प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के मंत्री चुने गए। वर्ष 1941 में राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान अंग्रेज सरकार ने उन्हें जेल में डाल दिया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भी जेल गए। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। परंतु इस विकट घड़ी में उन्होंने अपने धैर्य, सूझबूझ व ईमानदारी को नहीं छोड़ा और जैसे-तैसे घर का गुजारा करते हुए राष्ट्र सेवा में लगे रहे, तो वर्ष 1946 में उन्हें उत्तरप्रदेश निर्वाचन समिति का सदस्य चुन लिया गया।

पंकजकुमार शर्मा

2 अक्टूबर 1903 में एक निर्धन परिवार में शारदा प्रसाद के घर श्रीमती रामदुलारी देवी की कोख से जन्मे एक ऐसे व्यक्तित्व का भी देश के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान नहीं भुलाया जा सकता, जिन्होंने स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शासन में रहते हुए उच्च आदर्शों से हर भारतीय को प्रभावित किया। इस महापुरुष का नाम था लालबहादुर शास्त्री। बचपन में ही पिता का सिर से साया उठ जाने के उपरांत मां ने कदम-कदम पर आर्थिक संघर्षों से जूझते हुए बेटे का पालन-पोषण किया।

सत्य के मार्ग पर चलते हुए आत्मविश्वास के धनी लाल बहादुर शास्त्री ने युवावस्था में कदम रखने के उपरांत अंग्रेजों के अत्याचारों को देखा, तो वे आजादी के आंदोलन में कूद पड़े। गांधीजी के अहिंसा के बिगुल ने तो जैसे उन्हें अंदर तक झकझोर दिया और वे स्वतंत्रता संग्राम में अत्यधिक सक्रिय हो उठे, लेकिन आंदोलन में भाग लेने से रोजी-रोटी तो मुहैया होनी नहीं थी, सो इसके लिए उन्होंने अपने परिवार को आर्थिक संकटों से उबारने के लिए अपने एक मित्र की खादी के वस्त्रों की दुकान पर काम किया। खादी की दुकान पर नौकरी के साथ-साथ उन्होंने शिवप्रसाद गुप्ता द्वारा प्रारंभ की गई काशी विद्यापीठ में पढ़ाई भी प्रारंभ कर दी। आजादी के आंदोलन के साथ-साथ नौकरी और उसके साथ-साथ पढ़ाई को कायम रखते हुए वे आगे बढ़ते गए और कालांतर में

प्रयाग आ गए। वहां वे नेहरू परिवार के सम्पर्क में आए। यहां आकर वे पूर्ण रूप से राजनीतिक और सामाजिक कार्यों में जुट गए और कुछ ही अरसे बाद नगरपालिका के सदस्य बन गए। सादा जीवन उच्च विचार के धनी लालबहादुर शास्त्री 1937 में उत्तर प्रदेश प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के मंत्री चुने गए। वर्ष 1941 में राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान अंग्रेज सरकार ने उन्हें जेल में डाल दिया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भी जेल गए। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। परंतु इस विकट घड़ी में उन्होंने अपने धैर्य, सूझबूझ व ईमानदारी को नहीं छोड़ा और जैसे-तैसे घर का गुजारा करते हुए राष्ट्र सेवा में लगे रहे, तो वर्ष 1946 में उन्हें उत्तरप्रदेश निर्वाचन समिति का सदस्य चुन लिया गया। वर्ष 1947 में देश आजाद होने के उपरांत वे वर्ष 1951-1952 में उत्तरप्रदेश विधानसभा के सदस्य चुने गए। उन्हीं दिनों केन्द्र में मंत्रीमंडल बनाया जा रहा था, तो शास्त्री जी को केन्द्रीय रेल व परिवहन मंत्री बनाया गया। उन्ही दिनों आलियापुर (दक्षिण भारत) में रेल दुर्घटना हो गई जिसमें अनेक लोग मारे गए। वे यह हादसा बर्दाश्त नहीं कर पाए और रेल मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वर्ष 1956-57 में इलाहाबाद से लोकसभा चुनावों में भारी मतों से विजयी होने पर उन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में संचार व परिवहन मंत्री का दर्जा सौंपा गया। तदुपरांत उन्हें वाणिज्य विभाग सौंपा गया। छोटे कद के इस महान व्यक्ति का कार्य सुचारू रूप से चल ही रहा था कि मई 1964 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का निधन होने के कारण लालबहादुर शास्त्री को प्रधानमंत्री पद का कार्यभार सौंपा गया। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने वर्ष 1965 में हिंदुस्तान पर आक्रमण कर दिया। भारत के जवान हालांकि मुस्तैदी से मुकाबला कर रहे थे, लेकिन अंततोगत्वा मामला समझौते की कगार पर पहुंचा तो माह फरवरी 1966 में लालबहादुर शास्त्री ताशकंद (रूस) समझौते के लिए पाकिस्तान सहित बड़े देशों के प्रस्ताव पर गए, लेकिन वहीं पर 11 फरवरी को उनका आकस्मिक निधन हो गया।

NATIONAL
STEEL MART

Solutions for HORECA
(Authorised Manufacturer & Supplier)

Our Products
- Kitchen Equipments
- Crockery
- Cutlery
- Glassware
- Holloware
- Furniture

Our Partners
WESTERN · Celfrost · CLAY CRAFT · JCPL

Our Clients
TAJ · RAMADA · Radisson · lemon tree HOTELS

For Retail Shoppers
(Authorised Supplier)

Household Products
- Kitchen Utensils
- Crockery
- Cutlery
- Cookware
- Home Appliances
- Plastic
- Thermoware

Our Partners
WHITE GOLD · MILTON intelligent homeware · HAVELLS · BOROSIL · Prestige · HI-LUXE · NAYASA · Dubblin

Perfect Gifts for Team & Clients
(Authorised Supplier)

We Deals in
- All Type of Gifting Sol.
- Corporate Gifts
- Diwali Gifts
- Wedding Gifts
- Bulk Purchase
- Birthday Gifts
- Annual Meeting Gifts

Our Partners
ROXX Always Special · JUDGE by Prestige · VINOD INTELLIGENT COOKWARE · ARISTOCRAT · BERGNER · HAVELLS

Gifts starting from ₹ 100

NATIONAL STEEL MART

Showroom 1: NSM, RK Circle, Opp Croma Store, Udaipur (7023414407)
Showroom 2: NSM, Mali Colony, Opp Lakecity Garden, Udaipur (9773319922)
Factory Address: Opp Harsh Palace Hotel, Transport Nagar, Goverdhan Villas, Sector 14 , Udaipur Rajasthan

अंधेरे से लड़ने का प्रेरक उत्सव - दिवाली

शास्त्री कोसलेन्द्रदास

दीपावली का त्योहार भारतीय मनोभूमि से गहरा जुड़ा है, क्योंकि रोशनी से भारत का पुराना रिश्ता है। इसी रिश्ते ने दीपों की माला के त्योहार का सृजन किया। इसकी शोभा अलौकिक है।

दीपावली ही यक्षरात्रि

कार्तिक की अमावस्या को जब दीपावली मनाई जाती है, वात्स्यायन के समय से यह-रात्रि उत्सव मनाया जाता था। दीपावली उत्सव का पुराणों, धर्मसूत्रों, कल्पसूत्रों में विस्तृत रूप से वर्णन पाया जाता है। यक्ष-रात्रि से यही अनुमान लगाया जाता है कि उस समय इस दिन यक्ष पूजा होती थी। दूसरी व्याख्या से लक्ष्मी पूजा की रात्रि अर्थ भी निष्पन्न हो जाता है। प्राचीन काल में शायद दीपावली उत्सव शास्त्रीय या धार्मिक विधि रूप में नहीं मनाया जाता था क्योंकि वेदों और ब्राह्मण ग्रंथों में दीपावली का कोई उल्लेख नहीं है। पद्मपुराण, स्कंदपुराण और मनुस्मृति में दीपावली का विस्तृत वर्णन है। उसी के आधार पर दीपावली उत्सव का प्रचलन अब तक है।

महालक्ष्मी पूजन

लक्ष्मी की आराधना होनी चाहिए क्योंकि लक्ष्मी का संबंध धन से नहीं वरन चरित्र और धन की पवित्रता से है। लक्ष्मी अशुद्ध, अपवित्र और अप्राकृतिता से कभी नहीं जुड़ती है। जिसका आस्वादन-भोजन अशुद्ध है, जिसकी भाषा-वाणी अपवित्र है, जिसका संस्कार-विकार अप्राकृतिक है, वह लक्ष्मी का आशीर्वाद कैसे प्राप्त कर सकता है। सच्ची और स्थायी लक्ष्मी वही है जो शील और मर्यादा से पाई जाए। कोई नहीं जानता कि दीपावली कब से मनाई जा रही है। यह सनातन है, उसी तरह जैसे सनातन धर्म है। किसने पहली बार मिट्टी से बने दीप में रूई और तेल का संयोग कर उन्हें अग्नि से मिलाया होगा और उसे दीपावली की रात लक्ष्मी पूजा से जोड़ा होगा। यह प्रयोग आज भी इतना अनूठा है कि उसने पूरे भारतीय समाज को एकता के सूत्र में बांध रखा है।

अमर उत्सव दीपावली

दीपावली के दिन और रात, दोनों सुंदर हैं। पर वह शोभा रात में पाती है, जब नन्हें-नन्हें दीप मुंडेरों पर कतार में शोभायमान होते हैं। इन दीपों की चमकती स्वर्ण आभा-सी लौ अंधेरे को चीरकर प्रकाश की विजय पताका फहराती है। इस नाते परंपरा का अलौकिक बोध 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यानी अंधेरे से लड़ने की प्रेरणा है। अंधेरा अज्ञान है, जो ज्ञानरूपी प्रकाश से हार जाता है।

पादुका प्रशासन से मुक्ति

दीपावली के दिन भगवान श्रीराम 14 वर्षों का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटे थे। श्रीराम के लौटते ही दीपावली अयोध्या में पादुका-प्रशासन का मुक्ति पर्व बनी। अयोध्यावासियों ने माना कि पादुका-प्रशासन के दिन लद गए। असली राजा राम और रानी सीता वनवास पूरा कर अयोध्या लौट आए हैं। पादुकाओं की जगह अब श्रीराम राजा होंगे। तभी से रामराज्य की शुरूआत के प्रतीक के रूप में दीपावली पर दीप जलाए जा रहे हैं।

दीप हैं असाधारण

जगमगाते दीप देवोपम भूमिका निभाते हैं। देहरी पर धरा दीप भीतर और बाहर, दोनों ओर उजियारा करता है। गोस्वामी तुलसीदास भगवान श्रीराम के नाम को 'मणि दीप' कहते हैं, जिसके जपने से अंदर और बाहर, दोनों ओर उजाला होता है। शास्त्र दीप को निर्जीव नहीं, वरन देवता मानते हैं- भो दीप देवरूपस्त्वम्...। दीप के देवता स्वरूप में परिवर्तित हो जाने का एक सुंदर इतिहास है। धार्मिक विधि में दीप का साक्ष्य होना जरूरी है। उससे आरती और अनुष्ठान पूरे होते हैं।

कुबेर-पूजा से होती है धनवर्षा

पं. भानुप्रताप नारायण मिश्र

शिवजी के परम मित्र धनाध्यक्ष कुबेर की पूजा धनतेरस को की जाती है। शिवजी को सर्वाधिक प्रिय बेल-पत्रों से अगर उनकी भी पूजा हो तो वह जल्दी प्रसन्न होते हैं। कार्तिक माह की कृष्ण त्रयोदशी को मनाए जाने वाले इस त्योहार के दिन चांदी या तांबे का बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। मिट्टी, कांसे, स्टील और अन्य धातु के नवीन बरतन भी खरीदे जा सकते हैं। इस दिन किसी को उधार देना ठीक नहीं समझा जाता। धन की फिजूलखर्ची से भी इस दिन बचना चाहिए।

इस विषय में एक पौराणिक कहानी प्रसिद्ध है। ब्रह्मचारी शिष्य ने जब सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्त कर ली तो गुरु ने प्रसन्नतापूर्वक उसे घर जाने की आज्ञा दी। दूसरे गुरु भाइयों द्वारा बड़ी-बड़ी गुरू दक्षिणा देते देख कर उसके मन में भी आया कि गुरुदक्षिणा तो देनी ही चाहिए, लेकिन संतोषी गुरु उसकी भाग्य-रेखा की व्यथा जानते थे, इसलिए मुस्करा कर अनिच्छा प्रकट की, लेकिन गुरुदक्षिणा देने की शिष्य हठ करने लगा।

गुरु ने गुरुदक्षिणा लेने से फिर मना कर दिया। अन्य सभी शिष्यों के समक्ष अपने को ज्यादा योग्य साबित करने के लिए शिष्य

गुरुदक्षिणा देने पर अड़ ही गया। तब गुस्से से महर्षि कौत्स बोले- 'बेटा, तुम्हें मैं 18 विषयों की शिक्षा दे चुका हूं। विद्या की कीमत तो नहीं लगाई जा सकती, पर मैं समझता हूं कि एक विद्या सिखाने की कीमत एक करोड़ सोने की मुद्राएं लगाई जाएं तो 18 करोड़ सोने की मुद्राएं तुम्हें मुझे अर्पित करनी चाहिए। यही तुम्हारी ओर से गुरुदक्षिणा हो सकती है।

शिष्य ने विव्रम होकर महर्षि कौत्स से गुरुदक्षिणा चुकाने के लिए 6 महीने का समय मांगा। शिष्य ने अपने राज्य में आकर राजा से गुरू प्रदत्त ज्ञान और अपनी गरीबी के बारे में बताते हुए उनसे गुरुदक्षिणा में मांगी गई मुद्राएं देने की प्रार्थना की। राजा के पास इतनी बड़ी रकम थी नहीं। वह सूर्यवंशी महाराजा रघु के पास जा पहुंचे। रघु पहले ही सर्वस्व दान कर चुके थे और साधुओं-सा जीवन व्यतीत कर रहे थे। तब महाराज रघु ने लक्ष्मी जी की स्तुति की। लक्ष्मी जी प्रकट हुईं और कहा- 'बिना भाग्य कृपा नहीं होती। तुम्हें याचना नहीं, क्षत्रियोचित कर्म करना चाहिए।' रघु ने संकेत समझ कर देवताओं के धनाध्यक्ष कुबेर पर चढ़ाई कर दी।

महाराज रघु की वीरता देख गुरुदक्षिणा चुकाने के लिए कुबेर ने सोने की मुद्राओं की बरसात कर दी। इस प्रकार शिष्य ने महर्षि कौत्स को गुरुदक्षिणा चुकाने की अपनी हठ को पूरा किया।

साफ है कि जब धन प्राप्ति के सारे उपाय असफल हो जाते हैं, तब शिवजी के परम मित्र कुबेर की आराधना शीघ्रता से फल प्रदान करती है। खुद रावण ने अपने भाई कुबेर को आराधना के माध्यम से प्रसन्न कर रखा था। ऐसा कहा जाता है कि शिवजी की पूजा करने वालों को कुबेर जल्दी फल प्रदान करते हैं। शिवजी के मंदिर में या बिल्व (बेल) पेड़ के नीचे बैठ कर कुबेर के मंत्र का जाप करना विशेष फल प्रदान करता है। कुबेर का मंत्र इस प्रकार है- 'ओम श्री ओम हं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः ।'

प्राप्त होगी अक्षय लक्ष्मी

सायंकाल में एक पूजा सुपारी को इत्र में डुबो कर लाल कुमकुम से बने स्वस्तिक पर स्थापित । करें। धूप, दीप, आरती इत्यादि से पूजन करें। भोग लगा कर इस मंत्र से कमल के फूल या कोई भी सुगन्धित पुष्प अर्पित करें- 'ऊं यक्षाय कुबेराय वैश्रणवाय धनधान्यादि पतये धनधान्य समृद्धि में देहि देहि दापय दापय स्वाहा।'

दीपावली के दिन पुनः कुबेर का पूजन लक्ष्मी पूजा के पश्चात करें। अक्षय लक्ष्मी की प्राप्ति होगी।

धन्वंतरि पूजा- धनतेरस के दिन धन्वंतरि की भी पूजा होती है। इस दिन प्रातः काल धन्वंतरि के पूजन के पूर्व यदि

विष्णु सहस्रनाम का पठन या श्रवण किया जाये तो स्वास्थ्य लाभ होगा। आम की लकड़ी के पाटे पर हल्दी से स्वस्तिक बनायें। स्वस्तिक के मध्य एक बड़ी पूजा सुपारी को गुलाब जल से स्वच्छ कर भगवान धन्वंतरि के रूप में स्थापित कर पूजन करें।

यम दीपदान - धनतेरस को सायंकाल प्रदोषकाल में यम दीपदान करना चाहिए। चारों दिशाओं की ओर मुख की हुई रूई की चार बत्तियां रख कर दीये को तिल के तेल से भर दें। दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करें-

मृत्युना पाश दण्डाभ्यां कालेन च मया सह ।
त्रयोदश्यां दीप दानात् सूर्यजः प्रीयता मिति ॥

MKJC SCHOOL

(M.K. Jain Education & Welfare Society, Udaipur)

A Unique Co-Educational English Medium School

(Aligned with the New Education Policy - NEP)

Play School to Class 10th

Choosing the Right **SCHOOL**
Is Same Like Giving
The Best Future
To Your Child

जहाँ सपने हकीकत में बदलते हैं।

Panerion ki Madri, Sector 5, Hiran Magri, Udaipur

✆ 9414301104 | 7742081666

THE LUXURY NEST

3 & 4 BHK PREMIUM FLATS

Amenities:

- Two Elevators
- Reception Area
- Gym
- Club House
- Swimming Pool
- Gazebo
- Smart Door Lock
- Video Door Phone
- Play Area for kids
- Solar & DG Power Backup
- Water Softner
- Water Recycling
- Control Access Entry
- AC Pipeline
- Fire & Safety
- CCTV
- GAS Pipeline
- Parking
- Security Guard

Possession: Ready

CONTACT US : 97827 95383

SITE ADDRESS : MEERA NAGAR, BLOCK-B, SHOBHAGPURA

Builder :
Mogra Group
Office Address :
"A-Square', 3rd Floor, 1 Shobhagpura, 100 Feet Main Road, Udaipur

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

94141-60671 (Sirumal)
94141-57343 (Dilip)
94141-62036 (Lakhmichand)
99503-00412 (Lakhmichand)

POPULAR
ब्राण्ड

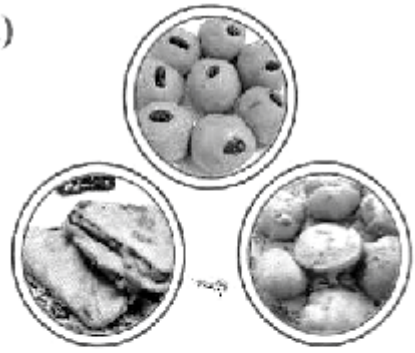

दलिया, बेसन, बाटी–आटा के निर्माता

MP का आदित्य आटा
एवं
पापुलर ब्राण्ड हलवाई
स्पे. मैदा उपलब्ध है

मोहन ट्रेडिंग कम्पनी

अधिकृत विक्रेता : दावत बासमती चावल

हर प्रकार के चावल, दालें, मैदा, सूजी, बेसन, पौहा के होलसेल व्यापारी

153, कृषि उपज मण्डी यार्ड, उदयपुर (राज.) Phone : 0294-2483671, 2464036 (R)

प्लांट : जी–1, 414, सिक्योर मीटर के पीछे, कैम्बे होटल के पहले वाली गली, भामाशाह इण्ड. एरिया, कलङ्वास, उदयपुर (राज.)

शक्तिशाली और उदार होते हैं स्वाति नक्षत्र के जातक

डॉ. संजीव कुमार शर्मा

वैदिक ज्योतिष में स्वाति नक्षत्र 15वां नक्षत्र है। इसका स्वामी राहु हैं। इसका रंग काला है। इसके देवता वायु और सरस्वती हैं। शुक्र द्वारा शासित तुला राशि से संबंधित इस नक्षत्र के अंतर्गत जन्मे लोग संतुलन, कूटनीति, निष्ठा, उदारता और दयालुता के लिए जाने जाते हैं। शक्तिशाली और प्रभावशाली यह नक्षत्र अपने साथ सौभाग्य लेकर आता है। इस नक्षत्र में जन्म लेनेवाले लोग स्वाभाविक रूप से रचनात्मक और स्वतंत्र होने के कारण अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण को व्यक्त करने के लिए प्रेरित रहते हैं। इस नक्षत्र के जातक महत्वाकांक्षी और सफलता प्राप्त करते हैं। इस नक्षत्र के चार चरणों के अलग-अलग प्रभाव हैं।

प्रथम चरण : इस चरण का स्वामी गुरु है। इस नक्षत्र में पैदा हुआ जातक चोर प्रवृत्ति का होता है। नक्षत्र स्वामी राहु गुरु को बिगाड़ कर अपना फल देता है। इस चरण में जन्मे लोग अकसर ऐसे कार्य करते हैं, जिनमें कड़ी मेहनत और निष्ठा की आवश्यकता होती है।

द्वितीय चरण : इस चरण का स्वामी शनि है। राहु व शनि दो पाप ग्रहों के प्रभाव में आने से जातक अल्पायु होता है। लग्न शुक्र की दशा अच्छी मानी जाती है। राहु और शनि की मित्रता के कारण दोनों की दशाओं में जातक स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। इस चरण में जन्मे लोग साहसिक और पराक्रमी कार्य करते हैं।

तृतीय चरण : इस चरण का स्वामी शनि है। इस चरण में जन्मे जातक पर शनि और राहु के प्रभाव के कारण वैराग्य आएगा, अत: जातक धार्मिक प्रवृत्ति का होगा। राहु और शनि की मित्रता के कारण दोनों की दशाओं में जातक को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा। इस चरण में जन्मे लोग दयालु और सौम्य स्वभाव के होते हैं। स्वयं से पहले दूसरों की जरूरत को महत्व देते हैं।

चतुर्थ चरण : इस चरण का स्वामी गुरु है। इस चरण में जन्मा व्यक्ति राजा समान होता है और बहुत अधिक भू-संपत्ति का स्वामी होता है। राहु एवं गुरु की दशाएं अशुभ फल देगी। इस चरण में जन्मे लोग अकसर अपने निर्णय पर सावधानीपूर्वक विचार करनेवाले होते हैं।

स्वाति नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए करियर संबंधी कुछ क्षेत्र इस प्रकार हैं- इस नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए शिक्षण एक अच्छा करियर माना जाता है। इन लोगों में नेतृत्व उत्तरदायित्व और न्याय से संबंधित विशेषताओं के कारण सरकारी सेवा भी एक और अच्छा विकल्प होता है। उच्च कोटि की बुद्धिमता, रचनात्मक महत्वाकांक्षा से संबंधित इस नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए व्यापार भी एक अच्छा विकल्प होता है।

परतानी
नाक कान गला अस्पताल
ISO 9001:2015 CERTIFIED
डायोड लेजर
माइक्रोडिब्राइडर
साइलोएंडोस्कोपी (लार की ग्रंथी)
कोबलेटर एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा सर्जरी एवं जांच की सुविधा
NABH
NABH प्रमाणित हॉस्पिटल
स्पीच थैरेपी एवं डिजिटल हियरिंग एड की सुविधा
HANORARY CONSULTANT:
डॉ. ए.के. गुप्ता (MS ENT)
डॉ. गरिमा गुप्ता
डी.एन.बी. (ई.एन.टी.)
डॉ. सीमा परतानी
(एम.डी. एनेस्थीसिया, पैलियेटिव केयर फिजिशियन)
डॉ. रीटा कुमार
BASLP (Audiologist Speech therapist)
VERTIGO CLINIC
चक्कर आने की जांच
14, नाकोड़ा कॉम्पलेक्स, हंसा पैलेस के पास, सेक्टर-4, हिरणमगरी, उदयपुर
Ph.: 0294-2462150 (Dr.) Mo.: 99823 62150

प्रत्यूष

उदयपुर में दो दिवसीय एमएसएमई कॉनक्लेव

अमेरिका के आगे न झुकने का संकल्प

केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय व फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इण्डस्ट्रीज के संयुक्त तत्वावधान में 29-30 अगस्त को दो दिवसीय एमएसएमई कॉनक्लेव भैरवगढ़ में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि उदयपुर विधायक ताराचंद जैन व मुख्य वक्ता एमएसएमई मंत्रालय के सहायक निदेशक संजय मीणा व राजस्थान फोर्टी शाखा के चेयरमैन प्रवीण सुथार थे।

उद्घाटन सत्र में मंत्रालय के सहायक निदेशक अनिला चौरड़िया ने कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य छोटे उद्योगों को बड़े उद्योगों के साथ जोड़ने पर विचार करना है। क्योंकि बड़े उद्योग आइटम बनाते नहीं हैं, वे छोटे उद्योगों से ही खरीदते हैं इसलिए उनमें परस्पर समन्वय आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए फोर्टी के संरक्षक सूरजाराम मील ने कहा कि कोई भी इण्डस्ट्री छोटी या बड़ी नहीं होती। सब का उद्देश्य एक ही है। इस समय एमएसएमई कई चुनौतियों का सामना कर रही है। हमारा देश कृषि प्रधान है और किसानों के हित सर्वोपरि हैं। ऐसे में अमेरिका के दबाव के आगे झुकने का प्रश्न ही नहीं उठता। संजय मीणा ने कहा कि राजस्थान में करीब 12 लाख से ज्यादा एमएसएमई रजिस्टर्ड हैं। यह लघु एवं मध्यम उद्योगों की सहायता के साथ ही लोगों को रोजगार से जोड़ने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उदयपुर में इसकी महिला विंग भी बन चुकी है। हमारा उद्देश्य लघु उद्योगों का विकास और उन्हें लाभ दिलाना है। राजस्थान की फोर्टी शाखा के चेयरमैन प्रवीण सुथार ने कहा कि उद्योगों की असली पहचान उनका वह काम है जो देश की अर्थ व्यवस्था को मजबूत करता है। हमारे उद्योगों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन चुकी है। जरूरत इस बात की है कि सभी उद्योग एमएसएमई के साथ जुड़कर आगे बढ़ें। उदयपुर में 2016 में फोर्टी की स्थापना हुई। उन्होंने सभी उद्यमियों का आव्हान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की हितकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि वे एक राजनीतिक के साथ-साथ उद्यमी भी हैं। वे उद्योग जगत की चुनौतियों और परेशानियों से वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की किसी भी धमकी अथवा प्रतिबंध से भारत पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ने वाला नहीं है। भारत जल्दी ही विश्व कि तीसरी आर्थिक शक्ति बनेगा। इसमें एमएसएमई का भी बड़ा योगदान होगा।

उदयपुर में नेशनल कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक आयोजन कराने पर प्रवीण सुथार का मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद मन्नालाल रावत, फोर्टी के मुख्य संरक्षक सुरजाराम मील एवं एमएसएमई के असिस्टेंट डायरेक्टर संजय मीना सम्मान करते हुए तथा कार्यक्रम को संबोधित करते फोर्टी के मुख्य संरक्षक सुरजाराम मील एवं और फोर्टी राजस्थान ब्रांचेज चेयरमैन प्रवीण सुथार।

फोर्टी की उदयपुर शाखा के अध्यक्ष मनीष भाणावत ने अतिथियों व उद्यमियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दो दिवसीय कॉनक्लेव उद्योगों के विकास और देश की अर्थ व्यवस्था को नए आयाम देने वाला है। इस आयोजन में भरतपुर के अनुराग गर्ग, चित्तौड़गढ़ आईओसीएल उप महाप्रबंधक आलोक कुमार चौरसिया, जयपुर रील के उप महाप्रबंधक महेन्द्र सिंह, एनपीसीआईएल के हेमंत कुमार, बीपीसीएल के राजेश गहलोत, ओएनजीसी के प्रबंधक सुनील जौहरे, एफसीआई के डिवीजन मैनेजर रामफूल मीणा, अभय कुमार जैन सिडबी योजना उदयपुर शाखा, रिसीवेबल्स एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रजय शुक्ला ने भी विचार रखे। संचालन फोर्टी की कार्यक्रम कोर कमेटी के समन्वयक मनोज जोशी ने किया।

रिपोर्ट : प्रवीण सुथार

समाज की धरोहर हैं बुजुर्ग हर पल रखें ख्याल

पीयूष शर्मा

विश्व वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर

उम्र के चौथे दौर में आदमी शारीरिक शिथिलता के साथ कई विद्रुपताओं और विसंगतियों से रूबरू होता है। इस दौर में सहयोग और सहारे की जरूरत होती है। अतएव बुजुर्गों की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए। लेकिन यदि हालात ही विपरीत हों तो बजुर्गों को भी चाहिए कि वे उनके अनुसार ढलने के तैयार रहें। इस अवस्था में किसी भी बात को गंभीरता से लें लेकिन तनाव न पालें। एक समय था जब संयुक्त परिवार हुआ करते थे, जिनमें एकाधिक पीढ़ियां एक साथ एक-दूसरे का सुख-दु:ख साझा करते हुए रहती थीं। लेकिन आधुनिक जीवन शैली ने मानव समाज में जो विसंगतियां फैलाई हैं, उनमें बुजुर्गों की उपेक्षा और उनका एकाकीपन भी एक है। युवा वर्ग अपनी ताकत के जोश में यह भूल जाता है कि यही वे जड़ें हैं, जिनसे वे फले-फूले हैं। बुर्जुग अनुभव का ऐसा खजाना है, जिनके सानिध्य से सफलता के शिखर चूमने में आसानी हो जाती है। लेकिन अफसोस है कि बुजुर्गों को उस नज़र से नहीं देखा जा रहा या देखते हुए भी उनसे मुंह फेर लिया जाता है। जो बुजुर्ग बच्चों के साथ रहते हुए अपने को खुशकिस्मत मानते हैं, वे मन के किसी कौने में अकेलेपन का दर्द भी समेटे हैं। इनकी पीड़ा यह है कि बच्चे अपने कॅरियर और अन्य कामों को लेकर इतने व्यस्त रहते हैं कि उनके निकट बैठकर पल-दो पल भी बात करने की फुर्सत भी उनके पास नहीं है। यही वजह है कि आज बुजुर्ग अपने मूल निवास को छोड़कर बच्चों के साथ रहने में कतरा रहे हैं, चाहे उन्हे बढ़ती उम्र में होने वाली परेशानियों से दिन-रात रूबरू होना पड़े। दरअसल वे महानगरों की जीवन शैली के अनुकूल अपने को ढाल नहीं पाते। यही अकेलापन उन्हे अवसाद में ढकेल रहा है। वृद्धावस्था में जब अपनों से अपेक्षा बढ़ जाती है, तब अपने ही दूर हो जाते हैं। नई पीढ़ी को अपने बुजर्गों के इस दर्द को समझने की जरूरत है। अपने कॅरियर की ओर वे अवश्य ही ध्यान दें क्योंकि उन्हें आने वाले कल में अपने बच्चों के हाथ में एक अच्छा भविष्य सौंपना है, लेकिन यह भी तो न भूले कि उनके भविष्य की नींव रखने वाला ही अतीत है और उसे सहेजने में ही उनका सुनहरा कल है।

जब व्यक्ति अपने कार्य क्षेत्र से रिटायर होता है तो उसे लगता है कि सबकुछ थम गया है। पर ऐसा नहीं है। वृद्धावस्था भी उम्र का एक पड़ाव है। दौर में दैहिक शक्ति क्षीण होने लगती है और पूर्वापेक्षा अपने परिजनों से उनकी अपेक्षाएं बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन परिस्थितियां ही यदि प्रतिकूल बन जाएं तो उन्हे घबराने की जरूरत नहीं है।

परिस्थितियों का सामना तो करना ही पड़ेगा। भारतीय परंपरा में जीवन विभाजन के चार आश्रमों में से मध्य के दो आश्रमों गृहस्थाश्रम और वानप्रस्थ आश्रम में वे हालातों से लड़ भी चुके हैं और आगे का रास्ता भी बनाया है। अतएव अपनी सामाजिकता को बनाए रखें। उम्र बढ़ने, कार्यक्षेत्र से रिटायर होने अथवा बच्चों से अलग रहने का अर्थ यह नहीं है कि अब वे बेकार हैं अथवा जिम्मेदारियों से मुक्त हैं। पहले तो आपके पास सामाजिक कार्यों के लिए पर्याप्त समय नहीं था, अब बहुत सारा समय है। अपने मित्रों की संख्या बढ़ाएं और समाज के किसी काम में हाथ बटाएं। इस तरह आपको एक वृहद परिवार और नई जिम्मेदारी का अहसास भी होगा। जो आपको प्रसन्नाता और संतोष से भर देगा। जब व्यक्ति खाली होता है तो वह दूसरों के कामों में टोका-टाकी कर अपने लिए स्वत: विरोध और विवाद को आमंत्रित करता है। हर किसी को अपने अनुसार चलाने की बजाय खुद परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की कोशिश करें। किसी बात को गंभीरता से लें मगर तनाव न पालें। अपनी रूचियों को फिर से जागृत करें, सामाजिक आयोजनों में सहभागिता बढ़ाएं, घर में बच्चों के साथ ऐसा तालमेल बिठाएं कि वे स्वत: आपके नजदीक आएं। खाली समय में संगीत सुने, टीवी देखें, घर के अहाते में किचन गार्डन लगाकर उसकी देखभाल करें, नियमित रूप से देव दर्शन के लिए आसपास के मंदिर में जाएं। इससे आप भी खुश रहेंगे और यदि परिवार के साथ हैं तो उन्हें भी आपकी दिनचर्या से खुशी होगी।

हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म 15.08.1956

स्वर्गवास: 04.10.2020

रो पड़ती है आंखें हमारी देख के तस्वीर आपकी, जिंदगी ऐसी जी गए कि मौत भी शरमा गई।
जिंदगी थी छोटी लेकिन सबसे अच्छी जी गए, हर जगह सुगंध फैलाकर स्मृति सबके दिल में संजोगए।
प्रभु दिव्यात्मा को शांति प्रदान करें।

हमारे प्रिय एवं आदरणीय

श्रीमान अनिल जी लुणदिया

(सुपुत्र स्व. श्रीमती बसंतादेवी–स्व. श्री भंवरलाल जी लुणदिया)

चतुर्थ पुण्यतिथि पर हम परिवारजन आपश्री को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

कुसुम लुणदिया *(धर्मपत्नी),* ***आशीष (सोनू)–अंकिता*** *(पुत्र–पुत्रवधु),*
आयुषी–प्रतीकजी जैन *(पुत्री–दामाद),* ***रीधान लुणदिया*** *(पौत्र),* ***चेतन लुणदिया–सुमन*** *(भाई–भाभी),*
मानव लुणदिया *(भतीजा),* ***अंकिता–तरूणजी जैन, साक्षी–प्रतीक जी हरसोरा*** *(भतीजी–दामाद),*
लक्ष्यरादित्य, आर्यदित *(दोहित्र),* ***काशवी*** *(दोहित्री) एवं*

समस्त लुणदिया परिवार

प्रतिष्ठान

न्यू कनक मेडिकल्स ▮ रीधान फार्मा
ब्रिटिश फार्मास्युटिकल्स ▮ फर्स्ट क्राई ▮ बेबी हग

निवास: 2-गणपति विहार,
हिरणमगरी सेक्टर 5, उदयपुर
Mo.: 9414159090, 9602620210

प्रत्यूष

एक और दिग्गज का सन्यास

क्रिकेट के सभी फार्मेट से पुजारा रिटायर

अभिजय शर्मा

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के बाद भारतीय टेस्ट टीम की मजबूत दीवार रहे चेतेश्वर पुजारा ने क्रिकेट के हर फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया है। पुजारा न सिर्फ इंटरनेशनल क्रिकेट में बल्कि प्रोफेशनल डोमेस्टिक क्रिकेट में भी अब खेलते नजर नहीं आएंगे। उन्होंने आखिरी इंटरनेशनल मैच भारत के लिए 2023 में खेला था, जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल था।

भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद और तकनीकी रूप से परिपक्व बल्लेबाजों में शुमार चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से सन्यास लेने की घोषणा भावुक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये 24 अगस्त को पुजारा ने की। उनके अनन्य साथी खिलाड़ी आर. अश्विन ने दिसम्बर 24 में आस्ट्रेलिया के दौरे के बीच ही सन्यास की घोषणा की थी। जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने जून 2024 में टेस्ट और टी-20 फॉर्मेट से सन्यास लेकर इन फार्मेट के इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने को अलग कर लिया था।

> भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार मैदान पर कदम रखते हुए सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करना। इसका वास्तविक अर्थ शब्दों में बयां करना असंभव है। लेकिन जैसा कि सभी चीजों का अंत होता है, मैने भी भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से सन्यास लेने का निर्णय लिया है। अगले पड़ाव का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।
>
> *–चेतेश्वर पुजारा*

पुजारा ने कहा, 'राजकोट शहर से एक छोटे लड़के के रूप में मैने क्रिकेट सितारों में शामिल होने का लक्ष्य बनाते हुए भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने का सपना देखा। मुझे तब पता नहीं था कि यह खेल मुझे इतना कुछ देगा, इस खेल ने मुझे अमूल्य अवसर, अनुभव, उद्देश्य, प्यार और सबसे बढ़कर अपने राज्य और इस महान राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। मैं बीसीसीआई और सौराष्ट्र क्रिकेट संघ का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे मौका दिया और मेरा समर्थन किया।'

सबसे ज्यादा गेंद खेलने वाले भारतीय

पुजारा ने अक्टूबर 2010 में टेस्ट में पदार्पण किया था। भारतीय दीवार के नाम से मशहूर पुजारा के पदार्पण के बाद से सिर्फ चार बल्लेबाज ही उनसे ज्यादा गेंद खेल पाए। इस दौरान वे भारत की ओर से सर्वाधिक गेंद खेलने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 99 मैचों में 15797 गेंद खेली। उनसे ज्यादा गेंद इस बीच जो रूट (127 मैच, 19082 गेंद), एलिस्टेयर कुक (101 मैच, 17534 गेंद), अजहर अली (91 मैच, 16301 गेंद) और स्टीव स्मिथ (91 मैच, 15927 गेंद) ने ही खेली। भारत की ओर से कोहली (105 मैच, 14654 गेंद) उनके बाद दूसरे नंबर पर रहे।

05

दिन तक एक टेस्ट में बल्लेबाजी करने वाले पुजारा दूसरे भारतीय जबकि कुल 13वें खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ ऐसा किया था

18

दोहरे शतक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगाने वाले चेतेश्वर एकमात्र भारतीय क्रिकेटर हैं। विजय मर्चेंट (11) दूसरे नंबर पर है।

500

500 से ज्यादा गेंद एक पारी में खेलने वाले अकेले भारतीय हैं। उन्होंने 2017 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ रांची में 525 गेंदों पर 202 रन बनाए थे।

योगदान

प्रारूप	मैच	पारियां	रन	सर्वाधिक स्कोर	औसत	स्ट्राइक रेट	50	100
टेस्ट	103	176	7195	206	43.61	44.37	35	19
वनडे	5	5	51	27	10.20	39.24	0	0
आइपीएल	30	22	390	51	20.53	99.75	1	0

क्रिकेट के छोटे प्रारुपों के प्रमुख वाले युग में आप खेल के लंबे प्रारूप की खूबसूरती की याद दिलाते थे। आपका उत्कृष्ट क्रिकेट करियर उल्लेखनीय कौशल तथा दृढ़ संकल्प के क्षणों से भरा पड़ा है। विशेषकर विदेशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में। आपने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत के पहली बार ऐतिहासिक सीरिज जीतने की नींव रखी थी। सबसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमणों में से एक के सामने डटे रहकर आपने दिखाया कि टीम की जिम्मेदारी उठाने का मतलब क्या होता है। आपका योगदान हर युवा के लिए अपार गर्व का स्रोत बना रहेगा।

नरेन्द्र मोदी,
प्रधानमंत्री

हमें उम्मीद थी कि वह आगामी सत्र में खेलेंगे, लेकिन हम उनके फैसले का सम्मान करते है। मैं उन्हें मैदान पर अलविदा कहते हुए देखना पसंद करता, लेकिन यह उनका फैसला है और हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

जयदेव शाह, अध्यक्ष, सौराष्ट्र क्रिकेट संघ

हर बार आप खेलते हुए संयम, साहस और टेस्ट के प्रति गहरा लगाव लेकर आए। आपकी मजबूत तकनीक और दबाव में संयम टीम के लिए एक स्तंभ रहा है।

सचिन तेंदुलकर

उनका साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प स्पष्ट दिखाई दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा टेस्ट में उन्हें जो चोटें लगी, वे मेरे लिए उस क्रिकेटर का प्रतीक है जो अपने देश के लिए अपना सब कुछ झोंक देता है। शाबाश पुजारा और आपको दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं।

वीवीएस लक्ष्मण

शानदार करियर के लिए बधाई। आप इस खेल के एक महान दूत रहे हैं। क्रिकेट के मैदान पर आपकी सभी उपलब्धियों पर हम सभी को गर्व है। आपने टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। आपके साथ काम करना सौभाग्य की बात थी।

अनिल कुंबले

लम्बे समय से चला आ रहा तनाव कई बार अचानक अटैक के रूप में सामने आ जाता है। हार्ट अटैक की आशंका के 25 फीसदी मामले दरअसल पैनिक अटैक से जुड़े होते हैं। इससे कैसे बचे रह सकते हैं, बता रही है *शमीम खान*

पैनिक अटैक
बेचैनी को काबू में रखें

तेज रफ्तार जिंदगी ने तनाव के स्तर को बढ़ा दिया है। समय के अभाव के कारण न लोग ठीक से खाते हैं और न सोते हैं, इससे तन व मन पर असर पड़ रहा है। लंबे समय से किसी चिंता, उलझन या तनाव से गुजर रहे लोगों में इसके लक्षण अचानक से सामने आ जाते हैं। कुछ वर्षों में पैनिक अटैक के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह किसी भी उम्र में, कहीं भी, किसी भी समय हो सकता है।

संकेत या लक्षण

आमतौर पर पैनिक अटैक अचानक बिना किसी खतरे के संकेत के प्रारंभ हो जाता है। यह किसी भी समय हो सकता है-आप गाड़ी ड्राइव कर रहे हैं, मार्केट में शॉपिंग कर रहे हैं, लेक्चर अटेंड कर रहे हैं या बिजनेस मीटिंग में हैं। कई लोगों को गहरी नींद में भी पैनिक अटैक आ जाता है। पैनिक अटैक अकसर हो सकता है या यह कभी-कभी आ सकता है।

संकेत और लक्षण

■ खुद पर नियंत्रण न रहना ■ दिल बहुत तेज धड़कना ■ अत्यधिक पसीना आना ■ छाती में दर्द या बेचैनी महसूस होना ■ कांपना या हिलना ■ घुटन महसूस करना ■ सांस उखड़ना ■ पेट में मरोड़ होना ■ हाथ-पैरों में सुन्नपन या फिर झुनझुनाहट महसूस होना ■ सिरदर्द या चक्कर आना ■ अरुचि महसूस करना ■ पैनिक अटैक का दौर समाप्त होने के बाद भी लंबे समय तक कम रक्तचाप या अधिक थकान और ऊर्जा की कमी महसूस होती है।

हो सकते हैं ये कारण

■ पैनिक अटैक डिसॉर्डर का पारिवारिक इतिहास

■ तनावपूर्ण स्थितियां जैसे किसी प्रियजन की मृत्यु या गंभीर बीमारी

■ कोई भयावह घटना जैसे यौन दुर्व्यवहार या गंभीर दुर्घटना

■ जीवन में बड़ा परिवर्तन जैसे तलाक, गर्भपात आदि

■ धूमपान या कैफीन का अत्यधिक सेवन

■ बचपन में हुई पिटाई या शारीरिक शोषण

■ हाइपोथाइरॉएडिज्म

■ निम्न रक्तदाब

■ रक्त शर्करा का स्तर कम हो जाना

■ मानसिक विकार जैसे अवसाद, एंग्जाइटी, फोबिया आदि

■ नशीली चीजों जैसे कोकीन, अफीम आदि का सेवन

■ अचानक किसी बीमारी से परेशान हो उठना या दवाओं का सेवन

पैनिक अटैक पर क्या करें

■ सबसे पहले शांत हो जाएं। धीरे-धीरे गहरी सांस लें, इससे हृदय गति सामान्य होगी

■ पैनिक अटैक के दौरान शरीर में एड्रिनलिन का स्तर बढ़ जाता है। बर्फ वाला ठंडा पानी पिएं, यह शरीर को ठंडक देगा

■ वर्तमान स्थिति से ध्यान हटाने का प्रयास करें

■ कोई खूशबूदार तेल सूंघें या सुरीला संगीत सुनें

■ किसी सुरक्षित स्थान पर बैठ जाएं और अपनी आंखें बंद कर लें। अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें।

■ कोई एक वस्तु चुनें और अपनी पूरी ऊर्जा उस पर केंद्रित कर दें या कोई मंत्र दोहराएं या गीत गुनगुनाएं।

■ अगर एंग्जाइटी की दवा लेते हैं तो तुरंत लें

■ अगर आधे घंटे बाद भी व्यक्ति सामान्य न हो

क्या है पैनिक अटैक

पैनिक अटैक एक ऐसी स्थिति है, जिसमें व्यक्ति अचानक बहुत ज्यादा बेचैन और भयभीत हो जाता है। दिल तेजी से धड़कना शुरू कर देता है, सांस लेने में परेशानी होती है और हाथ-पैरों में कंपन होने लगता है। स्वस्थ और खुशहाल लोगों को भी एक या उससे अधिक बार पैनिक अटैक आ सकता है। पैनिक अटैक दूसरे मानसिक विकारों जैसे पैनिक डिसॉर्डर, सोशल फोबिया या फिर डिप्रेशन के रूप में भी आ सकता है। अगर उपचार न कराया जाए तो पैनिक अटैक, पैनिक डिसॉर्डर में बदल जाता है।

तो तुरंत किसी पास के अस्पताल में ले जाएं।

स्थायी समाधान

जीवन शैली में सुधार: एक अनुशासित और स्वस्थ जीवनशैली का पालन बहुत जरूरी है। ठीक समय पर खाएं, सोएं और नियमित व्यायाम करें।

मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल: अपनी मानसिक सेहत का ध्यान रखें। मानसिक विकार जैसे अवसाद और एंग्जाइटी आपको पैनिक अटैक का आसान शिकार बना सकते हैं। डॉक्टर से राय लेने में शर्म न करें।

धूम्रपान, शराब और कैफीन से दूरी: धूम्रपान, शराब और कैफीन, अतिसंवेदनशील लोगों में पैनिक अटैक की आशंका को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इनसे दूर रहें।

डीन ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें: डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज के द्वारा मस्तिष्क को शांत रखना संभव है और इससे तनाव भी कम होता है। पैनिक अटैक आने पर इसे करने से आराम मिलता है। लक्षणों को गंभीर होने से रोकना संभव होता है। इसका नियमित अभ्यास नींद के पैटर्न में भी सुधार करता है।

वर्कआउट है जरूरी: प्रतिदिन लगभग 30 मिनट एक्सरसाइज और योग जरूर करें। वर्कआउट मस्तिष्क को शांत और स्वस्थ रखने का प्राकृतिक उपाय है।

पूरी नींद लें: ठीक समय पर सोएं और जागे और पूरी नींद (6-8 घंटे) लें।

विशेषज्ञ: डॉ. अमित गर्ग, नई दिल्ली व
डॉ. संजीव कपूर फरीदाबाद

मिजोरम की गुफा में मिले 700 वर्ष पुराने कंकाल

मिजोरम में हाल ही में एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोज हुई है, जिसमें 700 साल से अधिक पुरानी मानव हड्डियां एक गुफा से बरामद की गई हैं। यह खोज उत्तर-पूर्व भारत की मानव सभ्यता की उपस्थिति और पीछे ले जाती है। कंकालों में 9 मानव खोपड़ियां, कई फीमर (जांघ की हड्डियां), कुछ चाकू जैसे उपकरण और मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े शामिल हैं। कार्बन-14 डेटिंग के लिए कुछ हड्डियां अमेरिका की एक प्रयोगशाला में भेजी गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ये अवशेष 1260 से 1320 ईस्वी के बीच के हैं। इसका मतलब है कि 700 से 760 साल पुरानी मानव गतिविधि उस इलाके में मौजूद थी। यह खोज मिजोरम में अब तक पाए गए सबसे प्राचीन मानव अवशेषों में से एक है। भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास (इनटैक) की मिजोरम इकाई और राज्य सरकार इन कंकालों की डीएनए टेस्टिंग करवा रही है।

पहली क्लास की फीस 7.5 लाख

पहली क्लास की करीब 7.5 लाख की सालाना फीस ने सभी को चौंका दिया है। इसमें एक लाख रुपये की एडमिशन फीस भी शामिल है जो वापस नहीं होगी। इसने इंटरनेट पर नई बहस भी छेड़ दी है। मामला बेंगलुरु के एक इंटरनेशनल स्कूल का है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई यह फीस संरचना लोगों को हैरान कर रही है। लोगों ने इसे लूटखसोट बताया। वहीं, कुछ लोग कह रहे हैं कि यह फीस बिल्कुल अमानवीय है।

शरद चांदनी के मधुर व्यंजन

पुष्पा शर्मा

लौकी की खीर

सामग्री – लौकी – 750 ग्राम (कद्दूकस की हुई), दूध – डेढ़ लीटर, बादाम – 40 ग्राम, घी – चार बड़े चम्मच, चीनी – 200 ग्राम, तेजपत्ता – 2, केसर – चुटकी भर

विधि – सबसे पहले बादाम को करीब 50 मिनट पानी में भिगोकर, इन्हें छिल लें और बारीक टुकड़े कर लें। अब एक कप दूध में केसर भिगो दें। लौकी को निचोड़कर पानी निकालें और एक कड़ाही में घी गर्म करें तेज पत्ता डालें लौकी मिला कर 5–7 मिनट तक भूनें। फिर इसमें दूध मिलाकर उबालें। इसे बीच–बीच में चम्मच से हिलाते रहें, जब दूध लगभग दो तिहाई रह जाए तो इसमें चीनी मिलाकर उबालें। फिर इसमें बादाम के टुकड़े और केसर मिलाएं। अब इसे आंच से उतार कर ठंडा करें। फिर इसे बादाम से सजाकर फ्रिज में रख दें। बाद में शरद पूर्णिमा की शीतल चांदनी में रख कर सेवन करें।

मूंगफली की चक्की

सामग्री – मूंगफली के दाने – 300 ग्राम (छिलके उतारे हुए), मावा – 125 ग्राम, चीनी – 200 ग्राम, घी – एक छोटा चम्मच, इलायची पाउडर – एक छोटा चम्मच, केसर – चुटकी भर

विधि – सबसे पहले मूंगफली के दानों को 3–4 घंटे पानी में भिगो दें। फिर इसका पानी निकालकर इसे दरदरा पीस लें। अब एक कड़ाही में घी गर्म करके इसमें मूंगफली के दानों को भूनें और इसमें मावा डाल कर 5–7 मिनट तक और भून लें। अब इसे गैस से नीचे उतार लें। चीनी की दो तार की चाशनी बना कर मूंगफली के मिश्रण और केसर को इसमें डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब एक ट्रे में घी लगाएं और मिश्रण को ट्रे में एक समान जमा दें। ठंडा होने पर अपने पसंद की आकृति में चक्की काट लें।

नारियल-खजूर

सामग्री – नारियल चूरा – 2 कटोरी, बारीक कटा खजूर – 2 कटोरी, अखरोट गिरी – 2 कटोरी (दरदरा किसा हुआ)

विधि – सर्वप्रथम एक थाली में खजूर और अखरोट को हाथों से अच्छी तरह से मिला लें। अब किसी बड़े प्याले में नारियल का बुरादा फैला दें और ऊपर से खजूर–अखरोट का मिश्रण डालें। पुनः नारियल का बुरादा डालकर दबा दें और इसे फ्रिज में ठंडा करें। जब यह जम जाए तो चाकू से काटें।

पिस्ता बर्फी

सामग्री – मावा – 750 ग्राम, पिस्ता कतरन – 150 ग्राम, पिस्ता एसेंस – 6 बूंद, चीनी – 175 ग्राम

विधि – मावा व चीनी मंद–मंद आंच पर 10–15 मिनट तक भूनें। अब इसे आंच से उतार कर पिस्ता कतरन और एसेंस मिला लें। घी लगी थाली में मिश्रण को एक लेवल में जमा लें और ठंडा होने पर अपने मन पसंद आकार की बर्फी काट लें।

पालक की सेव

सामग्री – बेसन – 2 कटोरी, पालक – आधी कटोरी (उबला और पिसा हुआ),गेहूं का आटा – 1 चम्मच, अजवायन – 2 बड़े चम्मच, तेल – 2 चम्मच (मोयन के लिए), तलने के लिए तेल – अंदाजानुसार, मीठा सोड़ा – चुटकी भर, लाल मिर्च – 2 छोटे चम्मच, लौंग पाउडर – 1 छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर – 2 छोटे चम्मच, नमक स्वादानुसार

विधि – सर्वप्रथम बेसन, आटा और सारे मसाले एक बर्तन में मिक्स करें अब इसमें मोयन डालकर मिला लें। इसके बाद इसमें पालक डालें और अच्छी तरह गूंध लें। मिश्रण को थोड़ा कड़ा गूंधें। फिर सांचे में भरकर कड़ाही में तेल गर्म करके हल्का गुलाबी होने तक तल लें।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

मिले–जुले परिणामों के साथ यह माह मध्यम रहेगा। कार्य क्षेत्र में कुछ कठिनाइयाँ देखने को मिल सकती हैं, विदेशी व्यापार–व्यवसाय में लाभ की संभावनाएं बनेंगी, आर्थिक मामले में मिले जुले परिणाम प्राप्त होंगे, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह माह कमजोर है। पारिवारिक संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा।

वृषभ

यह माह औसत से बेहतर परिणाम देने वाला होगा, माह के उत्तरार्द्ध में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। नौकरी पेशा लोगों को काफी अच्छे परिणाम मिल सकेंगे, व्यापार में जोखिम वाले सौदे से बचें, आर्थिक मामलों में समृद्धि मिलेगी, एवं अनुकूलता की प्राप्ति होगी, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, पारिवारिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन

औसत से कमजोर परिणाम रहेंगे, सावाधानी पूर्वक निर्वाह करें, पुराने अनुभवों से सीखें, कार्यक्षेत्र में कुछ नया एवं अच्छा कर पायेंगे, नौकरी पेशा जातक सावधानी से काम लें, आय पक्ष मध्यम रहेगा। माह का उत्तरार्द्ध अच्छी मदद करेगा, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, घर–गृहस्थी को लेकर चिंतित रहेंगे।

कर्क

यह माह अनुकूल एवं प्रतिकूल दोनों तरह के परिणाम देगा, अपने से वरिष्ठों का समर्थन प्राप्त होगा, नौकरी पेशा जातकअच्छा कर पायेंगे, माह के उत्तरार्द्ध में किसी भी तरह की जोखिम न लें, नहीं कोई बदलाव करें, आर्थिक पक्ष सुदृढ़ रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पारिवारिक स्थिति मध्यम रहेगी।

सिंह

यह माह काफी हद तक अनुकूल परिणाम देगा। कार्य क्षेत्र में न तो कुछ अच्छा है, न खराब। वरिष्ठ जनों से सामंजस्य बिठाने से कार्यों में सफलता मिलेगी, आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा, बचत भी होगी, व्यर्थ के खर्चों पर नियंत्रण रखें, स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, भाई–बहिनों से संबंध अनुकूल रहेंगे।

कन्या

यह माह औसत परिणाम युक्त होगा। व्यापार में नई दिशा मिलेगी, नौकरी पेशा जातकों को कुछ समस्याएं हो सकती हैं, आय की दृष्टि से सामान्य तौर पर अनुकूल परिणाम मिलेंगे, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परिवार में बातचीत के दौरान वाणी संयम पर ध्यान अवश्य दें, गृहस्थ जीवन संतुलित रहेगा, लंबी दूरी की यात्रा संभव।

तुला

कार्य क्षेत्र में परिवर्तन चाहने वालों को अच्छा अवसर प्राप्त होने से लाभ मिलेगा। माह के उत्तरार्द्ध में कुछ भी नया कार्य कर सकते हैं, आर्थिक पक्ष अनुकूल होने के कारण बेहतर परिणाम मिलेंगे, बिजली सम्बंधी काम करते सावधानी बरतें, स्वास्थ्य संबंधी पुरानी समस्याएं भी उभर सकती हैं।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 अक्टूबर	अश्विन शुक्ल नवमी	विश्व वृद्धजन दिवस / विश्व शाकाहार दिवस महा नवमी
2 अक्टूबर	अश्विन शुक्ल दशमी	महात्मा गांधी / शास्त्री जयंती/विजया दशमी
5 अक्टूबर	अश्विन शुक्ला त्रयोदशी	मारवाड़ उत्सव
6 अक्टूबर	अश्विन शुक्ल चतुर्दशी	शरद पूर्णिमा
7 अक्टूबर	अश्विन शुक्ला पूर्णिमा /	कार्तिक स्नान प्रारंभ कार्तिक कृष्णा प्रतिपदा
8 अक्टूबर	कार्तिक कृष्णा द्वितीया	भारतीय वायुसेना दिवस
9 अक्टूबर	कार्तिक कृष्णा तृतीया	विश्व डाक दिवस
10 अक्टूबर	कार्तिक कृष्णा चतुर्थी	भारतीय डाक दिवस
11 अक्टूबर	कार्तिक कृष्णा पंचमी	विश्व बालिका दिवस
18 अक्टूबर	कार्तिक कृष्णा द्वादशी	धन्वंतरि जयंती / धन तेरस
20 अक्टूबर	कार्तिक कृष्णा चतुर्दशी	रूप चतुर्दशी
21 अक्टूबर	कार्तिक कृष्णा अमावस्या	दीपावली
22 अक्टूबर	कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा	अन्नकूट / गोवर्धन पूजा
23 अक्टूबर	कार्तिक शुक्ल द्वितीया	भाई दूज / चित्रगुप्त पूजा
28 अक्टूबर	कार्तिक शुक्ल षष्ठी	छठ पूजा (बिहार)

वृश्चिक

माह के उत्तरार्द्ध में व्यापार एवं नौकरी दोनों में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। न चाहते हुए भी स्थान परिवर्तन करना पड़ सकता है, आर्थिक पक्ष काफी हद तक पक्ष में बना है, पेट एवं हृदय संबंधी समस्याओं को नज़र अंदाज न करें, भाई–बहिनों एवं पारिवारजन से संबंध मधुर रहेंगे।

धनु

यह माह काफी हद तक अनुकूल परिणाम देने वाला है। व्यापार–व्यवसाय में अच्छी उपलब्धियां मिल सकती हैं, नौकरी में शुभता रहे, आर्थिक पक्ष अनुकूल परंतु बचत में कठिनाइयां रहेंगी। माह के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, पारिवारिक मामलों में सहजता रहेगी, आलस से बचें।

मकर

यह माह शुभ प्रतीत होता है, जो कार्य चल रहा है उसे ही चलते रहने देना चाहिए। कोई नया निवेश न करें, नौकरी–व्यवसाय में बदलाव जोखिम भरा रहेगा, आय पक्ष तो अच्छा रहेगा परंतु बचत करना कठिन रह सकता है। स्वास्थ्य औसत परिणाम देगा, फेफड़ों से संबंधित रोग से सचेत रहें।

कुम्भ

यह माह मिले जुले परिणाम प्रदान करेगा एवं कुछ मामलों में मध्यम से कमजोर भी संभव है। व्यापार–व्यवसाय को लेकर की जाने वाली यात्राएं लाभप्रद रहेंगी, जोखिम भरा निवेश टालें, आर्थिक पक्ष सम्मानजनक रहेगा। बचत के लिए प्रयास आवश्यक है। गृहस्थ जीवन कमजोर रहेगा।

मीन

यह माह संभावनाओं से भरा रहेगा, नौकरी–व्यापार में सकारात्मक परिवर्तन के बारे में सोचते हैं तो वरिष्ठजनों के अनुभवों का लाभ लें। आर्थिक मामले सामान्य रहेंगे। गुप्त रोगों से समस्या रह सकती है, भाई–बहिनों से संबंध कमजोर रह सकते हैं। गृहस्थ जीवन उत्तम।

प्रत्यूष मासिक पत्रिका का सितंबर–25 का अंक मिला। इस बार आपने यह अंक आत्मावलोकन के महापर्व 'पयुर्षण' को समर्पित किया है। इसके लिए आभार। आवरण भी आपने विद्वान जैनाचार्य राष्ट्रसंत पुलक सागर जी की छवि व उनके प्रेरणादायी संदेश से सजाया है। श्री पुलक सागर महाराज ने 17 वर्ष बाद उदयपुर को अपनी अमृत वाणी की वर्षा से सराबोर कर दिया। श्री विनोद फान्दोत की इस संबंध में रिपोर्ट अच्छी लगी। अंक में ट्रम्प की टैरिफ चुनौती को लेकर पंकज कुमार शर्मा का आलेख भी प्रासंगिक था।

सुरेश गुंदेचा, *सीएमडी, अरिहंत ग्रुप*

देश के पहाड़ी इलाकों विशेषकर उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भूस्खलन, ग्लेशियर पिघलने आदि प्राकृतिक आपदाओं ने मानव समाज को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि– अन्ततः उसे प्रकृति से लड़कर भौतिक संसाधन जुटाने के लालच का त्याग करना पड़ेगा और यदि उसने ऐसा नहीं किया तो आगे भी उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इस संबंध में प्रत्यूष के सितंबर अंक में सम्पादक महोदय का अग्रलेख सटीक और चेतावनी परक था।

रिषभ भाणावत,
सीएमडी, आर्ची ग्रुप

सितंबर–25। प्रत्यूष का अंक काफी अच्छा लगा। विद्वान मनीषी आचार्य जैन संत श्री पुलक सागर जी महाराज के विचारोत्तेजक आलेख जीवन की दशा–दिशा बदलने से संबंधित था, वहीं उमेश शर्मा का आलेख 'खाली पेट के सवाल का जवाब खाली हाथ और पीठ फेरना नहीं' सामयिक था। निश्चय ही एक तरफ विकास के ग्राफ ऊंचे करने की होड़ मची है तो दूसरी तरफ दुनिया में असंख्य बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। भुखमरी बढ़ रही है। लेकिन अपने स्वार्थों के युद्धों में मुब्तिल्ला शक्तियों को दम तोड़ रही मानवता दिखाई नहीं दे रही है।

डोली चपलोत, *डायरेक्टर,*
सिनर्जी नर्सिंग कॉलेज

प्रत्यूष के खूबसूरत और ज्ञानवर्धक सितंबर अंक के लिए बधाई। इस अंक में क्षमा शर्मा का 'हिंदी को आग लगाते नेता और गले लगाती जनता' विष्णु शर्मा हितैषी का ज्ञान के प्रति समर्पण का भाव ही शिक्षा, महिमा पालीवाल का बेरोजगारी में नकारात्मकता से अपने को बचाए जैनाचार्य श्री पुलक सागर जी का 'आदर्श परिवार निर्माण भी साधना' सहित सभी आलेख पठनीय और ज्ञानवर्धक थे।

लक्ष्मीलाल पटेल,
समाजसेवी

प्रथम पुण्यतिथि

हमारे परम पूजनीय

श्रीमान प्रभाषचन्द्र जी पाण्डे

सुपुत्र स्व. श्री लक्ष्मी नारायण जी पाण्डे

आपका न होना वट वृक्ष के ना होने जैसा है। आपकी छांव की गैर मौजूदगी अभी भी विचलन पैदा करती है।
पुण्यात्मा को शत शत नमन एवं श्रद्धा सुमन।

श्रद्धावनत
श्रीमती विमला पाण्डे (पत्नी),
रोहित–राखी, मोहित–ऋतिका (पुत्र–पुत्रवधु),
विनिशा, सुदिक्षा, विवांश, शितीक्षा (पौत्र–पौत्री)

प्रतिष्ठान

❖ पाण्डे मिनरल्स
❖ प्रभाष मिनरल्स ❖ पाण्डे इंडस्ट्रीज ❖ पाण्डे मिनरल्स प्रा.लि.

ऑफिस: पाण्डे एस्टेट, सूरजपोल बाहर, उदयपुर
मोबाइल: 98280 74221, 98291 46889

प्रत्यूष समाचार

हृदय रोग उपचार की नई तकनीक और शोध पर मंथन

उदयपुर। हार्ट एंड रिद्म सोसायटी के तत्वावधान में आठवीं कार्डियक समिट बड़ी रोड स्थित मैरियट होटल में संपन्न हुई। उद्घाटन आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विपिन माथुर ने किया। देशभर से आए हृदय रोग, विशेषज्ञों ने हृदय रोगों के बढ़ते खतरे और नवीनतम उपचार पद्धतियों पर विस्तृत चर्चा की। सोसायटी के चेयरमैन सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमित खंडेलवाल ने बताया कि ईसीजी क्विज से शुरु समिट में युवा चिकित्सकों ने अपने ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन किया। इसके बाद रेजिस्टेंट हाइपरटेंशन एवं रीनल डिनर्वेशन थैरेपी, नई एंटीको आगुलेंट दवाओं तथा सीसीआई ऑप्टिमाइजेशन पर व्याख्यान हुए। डॉ. खंडेलवाल ने कोरोनरी आर्टरी डिजीज विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि बदलती जीवन शैली के कारण युवाओं में भी हृदय रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने इसके लिए समय पर पहचान और जीवनशैली में सुधार को अत्यंत आवश्यक बताया। हार्ट फेल्योर संगोष्ठी एवं लिपिडोलॉजी सत्र में डिवाइज थैरेपी, डिसलिपिडेमिया प्रबंधन और भारतीय लिपिड दिशा-निर्देशों पर विशेषज्ञों ने अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

जनार्दन राय नागर की प्रतिमा का लोकार्पण

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ में 89वें स्थापना दिवस पर श्रमजीवी महाविद्यालय परिसर में संस्थापक मनीषी पं. जनार्दन राय नागर की प्रतिमा का लोकार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि पं. नागर ने अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षित करने के लिए जीवन समर्पित किया। कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर ने कहा, शैक्षिक, सामाजिक व सांस्कृतिक प्रगति में विद्यापीठ अपनी भूमिका को निरंतर सक्रिय बनाए हुए है। पीठ स्थाविर कौशल नागदा ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले विद्यापीठ के प्रतापनगर परिसर में प्रतिमा पर तीनों परिसर के कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि डॉ. प्रफुल्ल नागर थे। पूर्व कुलपति प्रो. दिव्यप्रभा नागर, रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली, डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, पुरुषोत्तम शर्मा और प्रो. मलय पानेरी ने भी विचार व्यक्त किए।

डॉ. चौहान को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। सुखाड़िया विश्वविद्यालय क्रीडा मंडल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुक्केबाजी प्रशिक्षक एवं योग केन्द्र समन्वयक डॉ. दीपेन्द्रसिंह चौहान को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय क्रीड़ा मंडल ने उनके 32 वर्षों के दीर्घ सेवाकाल में सुखाड़िया विश्वविद्यालय को खेल एवं योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को लेकर नवाजा।

दिलीपसिंह को बिजनेस टाइटंस अवार्ड

उदयपुर। द सक्सेस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलीपसिंह यादव को हाल ही बिजनेस टाइटंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। इसमें अभिनेता बोमन ईरानी और अभिनेत्री सोफी चौधरी मुख्य अतिथि रहे। शिक्षाविद् दिलीप सिंह यादव को फास्टेस्ट ग्रोइंग एजुकेशन ग्रुप के खिताब से भी सम्मानित किया गया। यादव को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट, उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है।

अरावली हॉस्पिटल में 54 यूनिट रक्तदान

उदयपुर। अरावली इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइसेंज परिसर में डॉ. आनंद गुप्ता के निर्देशन में आयोजित शिविर में 54 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम में अरावली हॉस्पिटल, एआईपीएस के विद्यार्थियों, स्टाफ, डॉ. गुप्ता के परिजन, मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविरमें सरल ब्लड बैंक के संयम सिंघवी और टीम अल्पेश लोढ़ा का विशेष सहयोग रहा। एआईपीएस के डॉ. संदीप बड़ाला ने बताया कि डॉ. गुप्ता ने अपना जन्मदिन रक्तदान शिविर लगाकर मनाया, उनकी इस पहल ने मानवता की सेवा के प्रति एक मजबूत संदेश दिया है। डॉ. आनंद गुप्ता भारतीय चिकित्सा संघ, उदयपुर और भारतीय रेडियोलॉजी और इमेंजिंग एसोसिएशन, राजस्थान के अध्यक्ष के साथ ही भारतीय चिकित्सा संघ मुख्यालय की केन्द्रीय समिति के सदस्य भी हैं।

अंशुल मोगरा अध्यक्ष

उदयपुर। बिजनेस सर्कल इंडिया (बीसीआई) ने तीसरे चैप्टर की औपचारिक घोषणा करते हुए अंशुल मोगरा को चैप्टर-3 का अध्यक्ष नियुक्त किया। संस्थापक मुकेश माधवानी ने बताया कि चैप्टर-3 की कार्यकारिणी का गठन शीघ्र ही किया जाएगा।

जैनाचार्य द्वारा विशेषांक का विमोचन

उदयपुर। राष्ट्रसंत जैनाचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि सकारात्मकता व्यक्ति की बहुमूल्य सम्पत्तियों में से एक है। जीवन से नकारात्मक सोच-विचार को निकाल दो तो जीवन सार्थक हो जाएगा। वे सर्वऋतु विलास जिनालय में 26 अगस्त को प्रत्यूष मासिक पत्रिका के चातुर्मास विशेषांक का विमोचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज को सही दृष्टि और दिशा देने के लिए पत्र-पत्रिकाओं और पत्रकारों पर बड़ा दायित्व है। उन्हें सतत् जागरूक रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि चातुर्मास समिति के अध्यक्ष विनोद फान्दोत थे। इस अवसर पर पत्रिका के प्रधान सम्पादक विष्णुशर्मा हितैषी व प्रकाशक पंकज शर्मा

ने महाराजश्री का अभिनंदन करते हुए विमोचनार्थ 'प्रत्यूष' की प्रति भेंट की। इस अवसर पर नंद किशोर शर्मा, दुर्गाशंकर मेनारिया, राजवीर मेघवाल, नितिश सर्राफ, अल्फेज खान, जालम सिंह, कविश जैन सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे।

मेगा डायग्नोस्टिक एवं इंटरवेंशन सेंटर का शुभारंभ

उदयपुर। शहर के मधुवन में राज्य के पहले अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक एवं इंटरवेंशन सेंटर का मुख्य अतिथि डॉ. आनंद गुप्ता, डॉ. एमएम मंगल और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल, डॉ. भरत गुप्ता एवं डॉ. भरत जैन ने उद्घाटन किया। मेगा डायग्नोस्टिक एंड इंटरवेंशन के निदेशक डॉ. भरत गुप्ता एवं डॉ. जैन ने बताया कि यह राजस्थान का पहला एडवांस्ड सेंटर है, जहां मरीजों को सभी प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। चिकित्सकों ने इस सेंटर को राजस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया क्योंकि अब प्रदेश के मरीजों को अहमदाबाद जैसे शहरों मे जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

मोगरा यूडीए के पैनल अभिभाषक नियुक्त

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश मोगरा को पैनल अभिभाषक नियुक्त किया गया है। मोगरा यूडीए की ओर से जिला एवं सेशन न्यायालय (डीजे), अपर जिला एवं सेशन न्यायालय (एडीजे) क्रम संख्या 1 से 5 में अपीलिय मामलों की पैरवी कर प्राधिकरण का पक्ष रखेंगे। बता दें कि मोगरा साल 2023 में बार एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

दधीचि जयंती पर सम्मान

उदयपुर। महर्षि दधीचि सेवा संस्थान के सेक्टर 4 स्थित परिसर में दो दिवसीय सुंदरकांड पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई। अंतिम दिन महर्षि दधीचि और कुलदेवी दधिमति माता की पूजा की गई। समाज के 25 वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। समारोह में अध्यक्ष सुधीर जोशी, मुख्य अतिथि डॉ. पीआर व्यास, विशिष्ट अतिथि अनिल व्यास, हिमांशु भट्ट और डॉ. सार्वा दाधीच मौजूद रहे।

अधिस्वीकृत पत्रकार संघ की बैठक, समस्याओं पर चर्चा

उदयपुर। संभाग के अधिस्वीकृत पत्रकारों के संगठन अधिस्वीकृत पत्रकार संघ की पहली बैठक गत दिनों चेतक सर्किल स्थित सूचना केंद्र में हुई इस बैठक में उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ सहित

संभागभर के अधिस्वीकृत पत्रकारों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता विष्णु शर्मा हितैषी ने की। विशेष विशिष्ट अतिथि अभियान आज तक मैग्जीन, इन्दौर के संपादक चंद्रशेखर वर्मा थे। बैठक की शुरुआत में सभी पत्रकार साथियों का उपरना ओढ़कर सम्मान किया गया। इसके बाद सभी का परिचय हुआ। वरिष्ठ पत्रकार और संयोजक ललित चोरड़िया ने संगठन की रूपरेखा पेश की। जिसमें संगठन के गठन, संविधान, कार्यकारिणी, आगामी बैठकों पर चर्चा की गई। इसके बाद सभी पत्रकारों से संगठन के निर्माण को लेकर सुझाव लिए गए। इसके साथ ही पत्रकारों ने आरजीएचएस, मेडिकल डायरी, अधिस्वीकृरण, रियायती दर पर भूखंड आवंटन को लेकर आ रही समस्याओं पर भी चर्चा की। इसको लेकर आगामी दिनों में प्रदेश के मुख्यमंत्री से भेंट करने का भी निर्णय किया गया। बैठक का संचालन अरविंद मुखिया ने किया। इस दौरान शिवनारायण डाबी, राजेन्द्र शेखर व्यास, रमेश आचार्य, नरेश शर्मा, मांगीलाल जैन, अमर सिंह चावला, कमल मानव सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे

सीआईआईः तलेसरा अध्यक्ष व गट्टानी उपाध्यक्ष

उदयपुर। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) उदयपुर जोन अध्यक्ष पायरोटेक इलेक्ट्रोनिक्स के डायरेक्टर नितिन गट्टानी को नामित किया गया है। तलेसरा पायरोटेक इलेक्ट्रोनिक्स के डायरेक्टर हैं, जो पुणे विश्वविद्यालय से बैचलर इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग है। नितिन गट्टानी लॉजिस्टिक्स प्राइवेट के प्रबंध निदेशक हैं। पारिवारिक व्यासाय का नेतृत्व करने के 25 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने खनन क्वार्ट्ज, बिजली, आतिथ्य, लॉजिस्टिक्स और व्यापार सहित विविध क्षेत्रों में कदम रखा है।

मेहता गुजराती समाज प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर। अखिल भारत गुजराती समाज के अध्यक्ष संजय भाई जे पटेल ने राजेश बी मेहता को प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत किया। मेहता वर्तमान में उदयपुर गुजराती समाज के अध्यक्ष हैं। प्रभु भाई पटेल को प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया। प्रभु भाई भीलवाड़ा में गुजराती समाज के अध्यक्ष हैं।

डॉ. लुहाड़ियों को एप्रिसिएशन अवार्ड

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के टीबी एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञ तथा इंटरवेशंनल पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. अतुल लुहाड़िया को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय

चेस्ट कॉन्फ्रेंस में पीएसीएस कैटेलिस्ट एप्रिसिएशन अवार्ड प्रदान किया गया। यह अवार्ड देश के 20 चुनिंदा चिकित्सा विशेषज्ञों को प्रदान किया गया, जिन्होंने वर्ष 2016 से अब तक पीएसीएस फाउंडेशन (फाउंडेशन फॉर पल्मोनरी, एलर्जी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन) की प्रगति, सफलता और विस्तार में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पुरस्कार मेट्रो सेंटर फॉर रेस्पिरेटरी डिजीज, नोएडा के निदेशक एवं सम्मेलन के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. दीपक तलवार ने प्रदान किया। इस उपलब्धि पर पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, एक्जिक्यूटिव डायरेटर अमर अग्रवाल, सीईओ शरद कोठारी विवि के प्रेसिडेंट डॉ. एमएम मंगल ने बधाई दी।

सीपीएस ने जीता गोल्ड, अंडर 14 वॉलीबॉल टीम बनी चैंपियन

उदयपुर। सीबीएसई कलस्टर वॉलीबॉल में सेंट्रल पब्लिक स्कूल भूपालपुरा की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। चुरू (राजगढ़) में हुई प्रतियोगिता में अंडर-15 टीम ने गोल्ड मेडल जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अंडर-17 टीम ने कांस्य पदक जीता। अब अंडर-14 टीम वाराणसी में नेशनल स्पर्द्धा में खेलेगी। विद्यालय प्रशासन ने पूरी टीम को बधाई दी। चेयरपर्सन अलका शर्मा सहित निदेशक मंडल ने छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

बड़ाला क्लासेज के स्टूडेंट देश में प्रथम

उदयपुर। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेट्री ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सीएस एक्जीक्यूटिव जून 2025 की परीक्षा में बड़ाला क्लासेज के विद्यार्थियों ने इतिहास रचा। संस्थान निदेशक सीए राहुल बड़ाला ने बताया कि सीएस एक्जीक्यूटीव में तिथि बोहरा, ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम व रितिका राठौड़ ने अखिल भारतीय स्तर पर 13वां स्थान हासिल किया। बड़ाला क्लासेज के निदेशक सीएमए सौरभ बड़ाला एवं सीए निशांत बड़ाला ने बताया कि दिवा कोठारी, तन्मय कोशिक, कथांशी जैन, हर्ष जैन, वंशिका छुदवानी ने सीएस एक्जीक्यूटीव परीक्षा में दोनों ग्रुप उत्तीर्ण किए। साथ ही आंचल जैन, कार्तिक पालीवाल, परिधी चौधरी, टीया जैन, मेघव गोलछा, कृष्णा जांगिड़, कोमल मेनारिया, निकिता नागदा, योगेश शर्मा, वेदिका कच्छारा, लक्षिता प्रजापत, अश्विन परमार आदि ने भी सीए एक्जीक्यूटिव परीक्षा उत्तीर्ण की है।

डॉ. गौरव पाइवाल बिजनेस लीडर अवार्ड से सम्मानित

उदयपुर। डॉ. गौरव पाइवाल को रीढ़-जोड़ों के दर्द के क्षेत्र में योगदान के लिए इंफ्लएंशियल बिजनेस लीडर अवार्ड से सम्मानित किया गया। फोब्स ने डॉ. पाइवाल को बिना ऑपरेशन आधुनिक तकनीक से मरीजों का इलाज करने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया।

बिजनेस सर्कल इंडिया एजुकेशन की बैठक

उदयपुर। बिजनेस सर्कल इंडिया (बीसीआई) एजुकेशन चैप्टर की पहली आधिकारिक बैठक एक निजी होटल में संपन्न हुई। अध्यक्ष सीए राहुल बड़ाला ने इस बैठक को एजुकेशन चैप्टर की सामूहिक यात्रा की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल सदस्यों को नॉलेज साझा करने और नए आयाम स्थापित करने का अवसर देगी। संस्थापक मुकेश माधवानी ने इस बैठक की सफलता पर खुशी जाहिर की और कहा कि सदस्यों की उपस्थिति ने इसे और अधिक सार्थक बनाया है, जिससे भविष्य के लिए सही दिशा तय करने में मदद मिलेगी।

नव संकल्प-नव जागरण महोत्सव

उदयपुर। राष्ट्रीय लोक अधिकार मंच के तत्वावधान में गत दिनों माणिक्य लाल वर्मा

श्रमजीवी महाविद्यालय सभागार में संवैधानिक कर्तव्य एवं मौलिक लोक अधिकार वर्ष 2025-26 के तहत नव संकल्प नव जागरण महोत्सव आयोजित किया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री भरत कुमावत ने बताया कि अध्यक्षता पूर्व विधि शासन सचिव डॉ.बंसतीलाल बाबेल ने की। मुख्य अतिथि लोक अधिकार मंच के राष्ट्रीय समन्वयक कन्हैयालाल त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि बार एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रभान सिंह शक्तावत थे। इस अवसर पर मेवाड़ अंचल की नवगठित जिला कार्यकारिणियों को शपथ भी दिलाई गई। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए कुछ व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया।

उद्योग मंत्री ने समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

उदयपुर। राजस्थान के उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धनसिंह राठौड़ ने सुखेर स्थित उदयपुर मार्बल एसोसिएशन के कार्यालय में एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर समस्याओं के समाधान हेतु आश्वस्त किया। अध्यक्ष पंकज गंगावत ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व ही उद्योग मंत्री से एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जयपुर में भेट कर उदयपुर आने का निमंत्रण दिया था। इस दौरान संरक्षक वीरमदेवसिंह कृष्णावत, पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्रसिंह राव आदि मौजूद रहे।

डॉ. चौहान अध्यक्ष, डॉ. पंड्या महासचिव

उदयपुर। राजस्थान बाल सलाहकार समूह की राज्य स्तरीय कार्यकारिणी में शरद चंद्र पुरोहित अध्यक्ष, डॉ. शैलेन्द्र पंड्या महासचिव, ध्रुवकुमार कविया, डॉ. राजश्री गांधी, शिवजी गौड़, नुसरत नकवी, अखिलेश माहेश्वरी को उपाध्यक्ष बनाया गया। कोषाध्यक्ष प्रदीप रवानी के साथ ही कार्यालय मंत्री सखाराम, प्रवक्ता चंचल अग्रवाल व गोविंद जांगिड़ (जयपुर), जनसम्पर्क अधिकारी पवन त्रिवेदी को मनोनीत किया गया है।

चारू मेहता ने की अठाई तप साधना

उदयपुर। जिनागम् की दिव्य प्रेरणा से पर्युषण पर्व के दौरान श्रीमती चारू मेहता (धर्मपत्नी कार्तिक मेहता) ने असीम आत्मबल व गहन श्रद्धा से अठाई तप की महान साधना पूर्ण की। इस अवसर पर थोब की बाड़ी में गुणानुवाद सभा एवं स्वामिवात्सत्य का आयोजन हुआ।

खीर समुद्र का पारणा

उदयपुर। श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्री संघ आराधना भवन मालदास स्ट्रीट में श्री राजेश जावरिया की पुत्रवधु श्रीमती कुशल जावरिया धर्मपत्नी श्री अक्षत जावरिया ने 11 उपवास कर खीर समुद्र का पारणा किया। पारणे में चांदी की नाव में भरकर आचार्य महाराज साहब को खीर वौराई गई।

डॉ. भाणावत को नेल्सन मण्डेला ग्लोबल अवार्ड

उदयपुर। करेंसी मेन के नाम से मशहूर लेकसिटी के डॉ. विनय भाणावन को नेल्सन मण्डेला ग्लोबल ब्रिलियंस अवार्ड 2025 के लिए चयन किया गया है। उन्हें इंदौर स्थित एसेंटिया लक्जरी होटल में नेशनल ऐंटी हरासमेंट फाउण्डेशन द्वारा पुरस्कृत किया गया।

प्रिया मोगरा आईआईएमएम अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटेरियल्स मैनेजमेंट की वार्षिक बैठक में शिल्पा ट्रेड लिंक्स प्राइवेट लिमिटेड की प्रिया मोगरा को अध्यक्ष चुना गया। निर्वाचन अधिकारी आरसी मेहता ने बताया कि इसके अलावा पीपी भट्टाचार्य मानद सचिव, राजेश जैन वाइस चेयरमैन, हसीना चक्कीवाला संयुक्त सचिव, अनिल पारिख मानद कोषाध्यक्ष एवं सीए पल्लवी नाहर संयुक्त कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

सीडलिंग मेवाड़ लिगेसी इन एजुकेशन अवार्ड

उदयपुर। सीडलिंग ग्रुप ऑफ स्कूल्स को गत दिनों अनंता में आयोजित विद्या वैभव एजुकेशनल कॉन्क्लेव में मेवाड़ क्षेत्र में उत्कृष्ट शिक्षा सहयोग, नवीनता और निरंतरता के लिए प्रथम मेवाड़ लिगेसी इन एजुकेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार अरविंद सिंह मेवाड़ की स्मृति में सीडलिंग ग्रुप ऑफ स्कूल्स चेयरमैन हरदीप बक्शी को प्रदान किया गया।

मोहित बने मेनारिया समाज के शहर अध्यक्ष

उदयपुर। मेनारिया समाज उदयपुर शहर अध्यक्ष पद पर मोहित मेनारिया निर्वाचित हुए हैं। मेनारिया नवयुवक मंडल (शहर) उदयपुर के बैनर तले रावजी का हाटा स्थित समाज भवन में हुए चुनाव में पर मोहित को रवि शंकर मेहता की तुलना में 107 मत अधिक प्राप्त हुए। इसी प्रकार कोषाध्यक्ष पद पर दर्पण पानेरी एवं संगठन मंत्री पद पर दिलीप पानेरी निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर डॉ पंकज पानेरी, सचिव पद पर संजय पानेरी एवं सांस्कृतिक मंत्री पद पर प्रवीण पानेरी का पूर्व में ही निर्विरोध निर्वाचन हो चुका है। निर्वाचन प्रक्रिया में महिलाओं और युवा मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहित मेनारिया एवं सचिव संजय पानेरी ने कहा कि समाज की एकता, सामाजिक सुधार एवं प्रगति की दिशा में सार्थक कार्य किए जाएंगे।

युवा उद्यमियों का औद्योगिक भ्रमण

उदयपुर। यूसीसीआई की ओर से आयोजित आओ फैक्ट्री देखें... अभियान में गत दिनों औद्योगिक इकाई का भ्रमण किया गया। संयोजन यूसीसीआई मेम्बरशिप एंगेजमेंट सब कमेटी चेयरपर्सन हसीना चक्कीवाला ने किया। इस दौरान टेम्पसंस इकाई के एमडी वीपी राठी, निदेशक विनय राठी, निदेशक आर्यन राठी ने उद्यमियों को जानकारी दी। इस अवसर पर यूसीसीआई अध्यक्ष मनीष गलूंडिया, मानद महासचिव आशीष छाबड़ा, मीनाक्षी, प्रशांत जैन, पंकज माण्डावत, तेजसिंह मोदी, गजेन्द्र जोधावत मौजूद थे।

'21वीं सदी में भारत' का लोकार्पण

मावली। शिक्षाविद् साहित्यकार बसंतकुमार त्रिपाठी की पुस्तक 21वीं सदी में मेरा भारत का लोकार्पण जनार्दन राय नागर विश्वविद्यालय उदयपुर के सभागार में संपन्न हुआ। नेशनल यूथ पार्लियामेंट ऑफ द भारत द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि कुलदीप शर्मा अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट विधि सेवा प्राधिकरण उदयपुर, रवि चाणक्य मुख्य संयोजक राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच एवं ललित नारायण आमेटा थे। पुस्तक में देश के लगभग नौ राज्यों के गांव एवं शहरों के प्रशासनिक क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, यातायात, रेल मार्ग, उद्योग-धंधे से संबंधित विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया है।

साहिल अध्यक्ष, हार्दिक सचिव बने

उदयपुर। यूएमआरटी-349 राउंड टेबल इंडिया की बैठक जवाई में हुई। इसमें कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष पद पर साहिल नवलखा, सचिव हार्दिक पोरवाल, कोषाध्यक्ष नमन पाटीदार और पूर्व अध्यक्ष अनुभव चौधरी मनोनीत हुए।

पत्रकार सम्मान समारोह

उदयपुर। जय हनुमान राम चरित मानस प्रचार समिति ट्रस्ट एवं बीइंग मानव सेवा संस्थान उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अशोका पैलेस के मधुश्री बेंक्वेट हॉल में पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एडवोकेट निर्मल पंडित तथा अध्यक्ष युवा उद्यमी मुकेश माधवानी थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन तथा मंत्रोच्चार से हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने पत्रकारिता के महत्व और समाज में उसकी भूमिका पर विचार व्यक्त किए। संस्थापक सचिव प. सत्यनारायण चौबीसा ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता को चौथा स्तंभ माना गया है, जो समाज की समस्याओं को उजागर कर सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करता है। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी ने कहा कि महाभारत युद्ध के दौरान जैसे संजय ने धृतराष्ट्र को बिना लाग लपेट युद्ध का सजीव वृतांत बताया, उसी प्रकार पत्रकार समाज को तात्कालिक हालातों का आईना दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में अनुभव, संघर्ष और चुनौतियाँ हैं, लेकिन यही समाज की वास्तविक तस्वीर को सामने लाने का आधार भी बनती है। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता सिर्फ खबरें देने का माध्यम नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और सामाजिक सुधार का सशक्त साधन है। पत्रकार को समस्याएं उजागर करने के साथ समाधान भी सुझाने चाहिए। समारोह में लोकेश आचार्य, गौरीशंकर अग्रवाल, दिनेश गोठवाल, सुनील गोठवाल, धीरेंद्र जोशी, विवेक चौबीसा, भूपेंद्र चौबीसा, हर्षिका चौबीसा, गोपाल लोहार, माधुरी शर्मा, नितिन दशोरा, दिनेश जैन, विप्लव जैन, गोविंद ओड, सुनील कालरा, चेतन व्यास सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। मंच संचालन निलेश चौबीसा ने किया।

सेंट एंथोनी का श्रेष्ठ प्रदर्शन, तीन नेशनल टीम में चयन

उदयपुर। सेंट एंथोनी सीनियर सैकण्डरी स्कूल ने सीबीएसई वेस्ट जोन चेस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। प्राचार्य विलियम डिसूजा ने बताया कि अंडर 11 गर्ल्स टीम ने चैंपियन बनकर न केवल टूर्नामेंट जीता, बल्कि बोर्ड नेशनल्स के लिए क्वालीफाई भी किया। वीरा, कनिष्का, मान्या, मोनिष्का को बोर्ड प्राइज से नवाजा गया। अंडर-19 गर्ल्स टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त कर नेशनल्स में अपनी जगह बनाई। अंडर-19 बॉयज टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त कर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया।

भट्ट को उन्नत भारत सेवाश्री अवार्ड

उदयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार गोपेन्द्रनाथ भट्ट को मीडिया और पत्रकारिता क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए नई दिल्ली के कॉस्टीट्यूशन क्लब के स्पीकर हॉल में आयोजित समारोह में उन्नत भारत सेवाश्री अवार्ड 2025 प्रदान किया गया। पद्मश्री विजय चौपड़ा ने यह सम्मान प्रदान किया। समारोह का आयोजन माता मंतारी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया।

जैन उदयपुर जिलाध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर। राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ जिलाध्यक्ष एडीएम प्रशासन निजी सचिव चंद्रेश जैन को नियुक्त किया गया।

ओसवाल सभा का स्नेह मिलन

उदयपुर। ओसवाल सभा अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी के नेतृत्व में रिसोर्ट में 'उल्लास-2' स्नेह मिलन कार्यक्रम हुआ। पहले 100 पहुंचने वाले सदस्यों को लकी ड्रॉ दिए गए। विविध प्रकार के गेम्स व सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण थे। ओसवाल बहु मंडल की अध्यक्ष वंदना दक के नेतृत्व में सचिव रचिता मोगरा एवं टीम द्वारा अलग-अलग वर्ग के गेम्स आयोजित किए गए। महिला अध्यक्ष माया सिरोया, सचिव आभा, संयोजक भाग्यश्री गन्ना, ओसवाल सभा के सह-सचिव मनीष नागौरी, जेएसजी रिजन चेयरमैन अरुण माण्डोत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरसी मेहता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरसी मेहता, सकल जैन संघ हिरणमगरी अध्यक्ष डॉ. हिम्मतलाल वया, ओसवाल मदारिया संस्थान के अध्यक्ष बाल चंद गन्ना, कानोड़ मित्र मण्डल के अध्यक्ष दिलीप भानावत, महावीर भवन सेक्टर 3 के अध्यक्ष आनंदीलाल बम्बोरिया, वर्धमान श्रावक संघ सेक्टर 5 के अध्यक्ष हिम्मत दक, सुभाषनगर जैन सोसायटी अध्यक्ष राकेश नंदावत आदि मौजूद थे।

अरोड़ा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। प्रतापनगर स्थित हैप्पी होम स्कूल का स्वर्ण जयंती समारोह नगर निगम स्थित सुखाड़िया रंगमंच पर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, एसआईईआरटी के पूर्व निदेशक डॉ. शरतचंद्र पुरोहित, शिक्षाविद् जवाहरलाल झंवर थे। छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, शिव तांडव स्तोत्र, रामकथा, विभिन्न राज्यों की रंगारंग झलक एवं देशभक्ति गीतों आदि पर प्रस्तुतियां दी। समारोह में स्वर्ण जयंती स्मारिका का अतिथियों ने विमोचन किया। समारोह में शिक्षा प्रचार समिति की ओर से विद्यालय के संस्थापक जगदीश अरोड़ा को शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया।

शहर भाजपा की नई कार्यकारिणी

उदयपुर। भाजपा के शहर-जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने अपनी नियुक्ति के करीब 8 माह बाद पिछले दिनों कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। जिसमें 8 उपाध्यक्ष, 3 महामंत्री, 8 मंत्री, 6 प्रवक्ता तथा 3 मीडिया प्रभारियों को शामिल करते हुए 41 पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। इनमे महिलाओं की संख्या 6 है।

कार्यकारिणी इस प्रकार है- **अध्यक्ष** गजपाल सिंह राठौड़, **उपाध्यक्ष :** तख्त सिंह शक्तावत, हंसा माली, जगदीश शर्मा किरण तातेड़, शंभू गमेती, देवनारायण धाभाई, करणसिंह शक्तावत, दिग्विजय श्रीमाली , **महामंत्री :** पारस सिंघवी, देवीलाल सालवी, पंकज बोराणा, **मंत्री :** प्रकाश अग्रवाल, सपना कुर्डिया, सिद्धार्थ शर्मा, गिरिश शर्मा, हजारी जैन, खुशबू मालवीया, अशोक शर्मा, तुषार मेहता, **प्रवक्ता :** गोविन्द दीक्षित, भंवर सिंह देवड़ा, दूदाराम डांगी, नरेश भादवीया, विजय दलाल, ओम पारीक,**कार्यालय मंत्री :** मांगु सिंह रावत**, सह कार्यालय मंत्री :** देवेन्द्र साहू**, कोषाध्यक्ष :** रवि नाहर्**सह कोषाध्यक्ष :** राजू परिहार**, मीडिया प्रभारी :** सीमा चम्पावत, अशोक नागदा, नरपतसिंह राव, **सह मीडिया प्रभारी :** कृष्णकांत कुमावत, **सोशल मीडिया संयोजक :** अमित सिंह सोंलकी, **सोशल मिडिया सह संयोजक :** सुनित दवे, रजनी आहरी, **आई.टी संयोजक :** पुनीत सुखवाल, **आई.टी सह संयोजक :** दीपक कुमावत, जिज्ञासा भारद्वाज, **प्रकोष्ठ संयोजक :** दिलीप सिंह राठौड़, मनोहर चौधरी।

शास्त्री, डॉ. अनीस व जोशी को राजस्थान गौरव सम्मान

उदयपुर। संस्कृति युवा संस्था की ओर से जयपुर में आयोजित समारोह में उदयपुर के भाजपा आपदा राहत प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जिनेन्द्र शास्त्री, गीतांजलि के डॉ. अनीस जुक्करवाल, कल्लाजीधाम के महंत डॉ. हेमंत जोशी को राजस्थान गौरव सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े व संस्था अध्यक्ष प. सुरेश मिश्रा ने प्रदान किया। इनके साथ ही आईएसएस डॉ. मनीष अरोड़ा, पद्मश्री अली गनी, रोहिणी कुमारी, पद्मश्री मोइनुद्दीन खान, जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी, आईपीएस दीपक भार्गव, लोकसभा स्पीकर के ओएसडी राजीव दत्ता, आचार्य इशान शिवानंद, अजय पाराशर, अनिल अग्रवाल, कमल सेठिया, डॉ. नरेंद्र राठौड़, हीरेन जोशी, डॉ. आरएस खादर, तरंग अरोड़ा, डॉ. दिनेश खंडेलवाल, राष्ट्रपति से सम्मानित सरपंच सविता राठी और कत्थक नृत्यांगना श्रुति मिश्रा को भी सम्मानित किया गया।

शांतिराज हॉस्पिटल में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम

उदयपुर. शान्तिराज हॉस्पिटल में दक्षिण राजस्थान का पहला और उदयपुर का एकमात्र अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी सिस्टम शुरू हो गया है। इस तकनीक से अब गैस्ट्रो, बैरिएट्रिक, ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, पित्त की थैली, गॉलब्लैडर, हर्निया, गर्भाशय और प्रोस्टेट कैंसर जैसे जटिल ऑपरेशन और भी सटीक, सुरक्षित तरीके व कम दर्द से होंगे। शुभारंभ अवसर पर प्रसिद्ध कार्डियक रोबोटिक सर्जन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव, हॉस्पिटल चेयरमैन डॉ. अशोक जैन, रोबोटिक सर्जन, डॉ. सपन अशोक जैन, डॉ. आनंद गुप्ता एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.एस. के. कौशिक मौजूद रहे। डॉ. सपन जैन ने बताया कि यह रोबोट डॉक्टर की हर हरकत को बेहद सटीकता से दोहराता है जिससे सर्जरी की सफलता दर बढ़ जाती है। डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि उदयपुर में इस तकनीक की शुरुआत चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर है। अंत में रोबोटिक सर्जरी तकनीक का लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया गया।

एपेक्स हॉस्पिटल में गिलियन बैरे सिंड्रोम के मरीज को नया जीवन

उदयपुर। एपेक्स हॉस्पिटल, उदयपुर ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं का परिचय दिया है। हाल ही में 42 वर्षीय एक मरीज, जो गिलियन-बैरे सिंड्रोम से पीड़ित थे। भर्ती के समय 100न्न वेंटिलेटर सपोर्ट पर जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे थे। अस्पताल की न्यूरो क्रिटिकल केयर टीम ने नया जीवनदान दिया। भर्ती के समय मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। एपेक्स हॉस्पिटल उदयपुर की युनिट हेड डॉ. वैशाली ने बताया कि कुछ ही हफ्तों में मरीज की स्थिति में चमत्कारिक सुधार हुआ।

अनन्ता में लाला जी की स्मृति में रक्तदान

उदयपुर। पंजाब केसरी समूह के संस्थापक शहीद लाला जगत नारायण की 44वीं पुण्यतिथि पर 8 सितंबर को अनन्ता मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर हुआ। उद्घाटन अनन्ता मेडिकल कॉलेज के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. नितिन शर्मा व मार्केटिंग हैड हेमंत बंसल ने किया। डॉ. नितिन शर्मा ने कहा कि रक्तदान को संसार की सबसे महान सेवाओं में गिना जाता है। एक बूंद रक्त किसी जरूरतमंद को जीवनदान दे सकता है। पंजाब केसरी उदयपुर संस्करण की ओर से संपादकीय प्रभारी सुभाष शर्मा, ओम पाल सीलन और हितेष कुमार शर्मा मौजूद थे। ब्लड बैंक के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सैयद जावेद अर्शी एवं पैथोलॉजिस्ट डॉ. सीमान्त कुमार सैनी ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में हर वर्ष लाखों यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है, जबकि उतना रक्त एकत्र नहीं हो पाता। यदि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक बार भी रक्तदान कर दे, तो रक्त की कमी कभी नहीं होगी। सुभाष शर्मा ने बताया कि पंजाब केसरी समूह अमर शहीद लाला जगत नारायण की स्मृति में हर साल नौ सितम्बर को देश के विभिन्न हिस्सों में रक्तदान शिविर आयोजित करता है।

एडवांस फिजियोथैरेपी सेंटर

उदयपुर। रोटरी अंतर्राष्ट्रीय, रोटरी क्लब युवा व सर्वोदय मानव सेवा ट्रस्ट मिलकर शहर में आधुनिक फिजियोथैरेपी सेंटर शुरू करेंगे। यह सेंटर चित्रकूट नगर स्थित दृष्टि हाइट्स में बनाया जाएगा। सर्वोदय मानव सेवा के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. उपवन पंड्या ने बताया कि एडवांस्ड टेक्नोलॉजी से लैस सेंटर में बहुत कम दरों पर इलाज होगा। डॉ. कार्तिक सुखवाल, डॉ. व्योम बोल्या, डॉ. एमपी जैन, डॉ. राहुल खन्ना आदि सेवाएं देंगे।

गीतांजलि में नर्सिंग जागरूकता कार्यक्रम

उदयपुर। गीतांजलि यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में 700 नर्सिंग छात्र-छात्राओं के लिए टाउन हॉल मीटिंग स्टूडेंट अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में वाइस चांसलर डॉ राकेश व्यास, गीतांजलि कॉलेज एंड स्कूल ऑफ नर्सिंग से डीन डॉ विजया अजमेरा, प्रिंसिपल डॉ योगेश्वरपुरी गोस्वामी, प्रिन्सिपल प्रोफेसर दिनेशकुमार शर्मा, फैकल्टी सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। वाइस चांसलर डॉ राकेश व्यास ने नर्सिंग क्षेत्र की महत्ता बताई। डॉ. विजया अजमेरा ने छात्र-छात्राओं को नियमित अध्ययन, स्वस्थ तथा सदैव सकारात्मक रहने के लिए प्रोत्सोहित किया। गोस्वामी ने नर्सिंग प्रोफेशन के उद्देश्यों से अवगत कराया और उसे पूर्ण करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

प्रिंसिपल शर्मा ने नर्सिंग प्रोफेशन की विशेषता एवं नर्सिंग की जिम्मेदारियों से अवगत कराया। स्टूडेंट अवेयरनेस प्रोग्राम में एक्सपर्ट सेशन हुआ। इसमें गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से डॉ. शिखा शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजी कौंसलर, भव्या रस्तोगी स्टूडेंट कौंसलर ने छात्र-छात्राओं की अध्ययन एवं दैनिक जीवन की समस्याओं को सुनकर उनके उचित समाधान बताए। संचालन ब्रिन्सी बाबू एसोसिएट प्रोफेसर एवं विकास कुशवाहा प्राध्यापक गीतांजलि कॉलेज एवं स्कूल ऑफ नर्सिंग ने किया।

एसपीएसयू का सिटी ऑफिस आरंभ

उदयपुर। सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय (एसपीएसयू), भटेवर ने लोगों की पहुंच आसान बनाने के लिए शहर के अशोक नगर मेन रोड पर सिटी ऑफिस की शुरुआत की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने पांच वर्षीय एकीकृत बीबीए-एलएलबी पाठ्यक्रम का शुभारंभ भी किया। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एवं कुलपति डॉ. पृथ्वी यादव ने बताया कि यह पाठ्यक्रम बार काउंसिल ऑफ इंडिया से स्वीकृत है और दक्षिणी राजस्थान का पहला एकीकृत डबल डिग्री कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य ऐसे पेशेवर तैयार करना है, जो प्रबंधन और विधि दोनों क्षेत्रों में दक्ष हों और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। उन्होंने कहा कि आज उद्योग जगत को ऐसे विशेषज्ञों की आवश्यकता है, जो प्रबंधन की गहराई और विधि की समझ रखते हों। इसी को ध्यान में रखते हुए यह कोर्स डिजाइन किया गया है। सिटी ऑफिस में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें काउंसलिंग स्पेस, डिजिटल सपोर्ट डेस्क और छात्र सेवा केंद्र शामिल हैं। यहां विद्यार्थी और अभिभावक प्रवेश प्रक्रिया व पाठ्यक्रम संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

कोरपोरेट युनिफार्म उपलब्ध

उदयपुर। राजलक्ष्मी यूनिफार्म, बापूबाजार पर अब स्कूली यूनिफार्म के साथ-साथ नये ब्रान्ड के रूप में मेडिकल, होटल एवं कोरपोरेट जगत की युनिफार्म भी उपलब्ध होगी। विजय वाधवानी ने बताया कि नये ब्रान्ड की जानकारी देने वाले ब्रोशर का डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने गत दिनों विमोचन किया। इस अवसर पर रजत वाधवानी भी मौजूद थे।

मोहन भागवत पर सूक्ष्म पुस्तिका

उदयपुर। सूक्ष्म पुस्तिका निर्माता चंद्र प्रकाश चित्तौड़ा ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर उनकी अब तक की समाज एवं संघ सेवा की जीवन यात्रा को एक सूक्ष्म पुस्तिका में सचित्र दर्शाया है। पुस्तिका का विमोचन भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं संघ के वयोवृद्ध कार्यकर्ता मदनलाल मूंदड़ा ने किया।

रेनॉल्ट की नई काइगर लॉन्च

उदयपुर। रेनॉल्ट इंडिया की नई काइगर को दिवाकर मोटर्स शोरूम पर 35 नए एवं 21 सेफ्टी फीचर्स के साथ प्रबंध निदेशक राजीव नामजोशी, निदेशक प्रियंका अग्निहोत्री ने लॉन्च किया। नामजोशी ने बताया कि रीथिंक परफॉर्मेंस फिलॉसफी के तहत विकसित यह सब-फोट मीटर एसयूवी, 100 पीएस टर्बो चार्ज इंजन, 35 से अधिक अप ग्रेड्स के साथ बाजार में आई हैं, जो इसे और दमदार, प्रीमियम और सुरक्षित बनाते हैं।

सुरभि अध्यक्ष, तारिका सचिव

उदयपुर। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के तहत रोटरी क्लब पन्नाधाय की वर्ष 2025-26 की नई कार्यकारिणी गठित की गई। क्लब के संरक्षक भानु प्रतापसिंह धाभाई ने बताया कि इसमें अध्यक्ष सुरभि खत्री, सचिव तारिका भानुप्रताप, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल को बनाया गया। इसके अतिरिक्त राजेश शर्मा, अशोक पालीवाल, हेमंत धायभाई, हितेन मेहता, कुणाल यादव, कुणाल भटनागर, अनिल खेतान, दीपक पुरस्वानी, दिग्विजय सिंह, पंकज वीरवाल, विपिन जैन, कमल गौर, राजेन्द्र कुमावत, पूनम अग्रवाल, राकेश कोठारी, भूपेश भावसार, मीनाक्षी भेरवानी, शिखा बहल, रूखसाना साबुनवाला, योगेश पारीक, डॉ. ऋचा पुरोहित को क्लब सदस्य में शामिल किया गया।

सौरभ कोठारी कार्यकारी समिति सदस्य

उदयपुर। इंडियन टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की राजस्थान कार्यकारी समिति में सौरभ कोठारी को सदस्य मनोनीत किया गया है। समारोह में शहर के 200 और देश के 50 ट्रेवल एजेंट्स ने भाग लिया। समारोह में राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, पूर्व उप महापौर पारस सिंघवी, आइटीटीए अध्यक्ष सतीश सेहरावत, मोहन गोयल अतिथि रहे।

तीरंदाजी में रूचिका मेघवाल उपविजेता

खेरवाड़ा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तरीय 69वीं जिला स्तरीय 17 वर्ष छात्रा वर्ग में 20 मीटर एवं 30 मीटर तीरंदाजी में साइना कुमारी गरासिया जसवंतगढ़ विजेता एवं रूचिका मेघवाल सेंट एंथोनी उदयपुर उपविजेता रही। ओवरऑल में विजेता साइना गरासिया जसवंतगढ़ और रूचिका मेघवाल उदयपुर रही। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में 61 विद्यालय के 180 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन ईश्वरलाल पटेल प्रधानाचर्य एवं संयोजक नारायणलाल बरांडा एवं देवीलाल मेघवाल प्रधानाचार्य भाणदा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमान भंवरलाल जी फत्तावत का 18 अगस्त को संथारापूर्वक देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र समाजसेवी राजकुमार, तरुण व भूपेश फत्तावत, पुत्री श्रीमती राजकुमारी करणपुरिया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रि व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री करणमल जी भाणावत काआकस्मिक स्वर्गवास 2 सितम्बर को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती कैलाश देवी, पुत्र राकेश, डॉ. स्नेहदीप व नीरज भाणावत, पुत्री श्रीमती रानी पिछोलिया, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री ओंकारलाल जी नागदा (हपावत) का 3 सितम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र-पुत्रवधु, प्रकाश-ज्योत्सना, पुत्रियां श्रीमती आशा देवड़ा व कला देवड़ा सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों, भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री नवलसिंह जी सरूपरिया का 26 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी, पुत्र कुलदीप व जलदीप, पुत्रियां श्रीमती लीना मेहता व श्रीमती रानी मांडावत, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रियों सहित भाई-भतीजों, भानेज-भानजी का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती इंद्राजी मेहता का 23 अगस्त को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति श्री सुभाष जी मेहता, पुत्र अंकुर, पुत्री श्रीमती आंचल मेहता, देवर-देवरानियों सहित दोहित्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गइ हैं।

उदयपुर। डॉ. अमरसिंह जी धाकड़ का 23 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पत्नी डॉ. विमला धाकड़, पुत्र डॉ. सुनील, डॉ. गौरव, भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती गुणमाला जी अग्रवाल का 13 अगस्त को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति श्री सूर्यप्रकाश अग्रवाल, पुत्र हेमंत व पंकज, पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री चंद्रसिंह जी नाहर का 20 अगस्त को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती संध्या जी, पुत्र मोहित नाहर, पुत्री श्रीमती यामिनी सुराणा सहित भाई-भतीजों का वृहद एवं संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती दाखी बाई धर्मपत्नी स्व. श्री भगवतीलाल जी दुर्गावत का 14 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल रविशंकर, गुलाबशंकर, श्रीमती इंद्रा, श्रीमती तारा, श्रीमती उषा, श्रीमती अरुणा, श्रीमती माया देवी, मुकेश जी, जमनालाल जी सहित पौत्र कुलदीप व ख्यातेन्द्र, पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री त्रिभुवन वल्लभजी जोशी का 30 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती ज्योति देवी भट्ट, पुत्र प्रवीण व धीरेन्द्र, पुत्री श्रीमती अंजना भट्ट, श्रीमती रेणुका जोशी तथा पौत्र, दोहित्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री दिलीप जी अमीन का 19 अगस्त को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल भाई-भाभी प्रफुल्ल-मृदुला देवी, बहन-बहनोई, स्वर्णा-दिनेश जी पटेल सहित भतीजे-भतीजियों, भानेज-भानजियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री पुरुषोत्तमजी गोराणा (लौहार) निवासी बोयणा का उदयपुर स्थित स्वामीनगर टेकर आवास पर 23 अगस्त को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती दाखुदेवी जी, पुत्र कुंदन व शुभम, पुत्री श्रीमती वंदना, भाई-भतीजों, पौत्र सहित संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री केसूलाल जी नागदा (लखावली) का 17 अगस्त को स्वर्गवास हो गया। वे 72 वर्ष के थे। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती लीलादेवी पुत्र पुष्करलाल, शिवशंकर, विशाल नागदा एवं पुत्रियां श्रीमती कलादेवी व रुकमणी देवी, भाई श्री शंकरलाल सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों, भतीजा- भतीजियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। दैनिक समाचार पत्र प्रात:काल के प्रबंध संपादक श्री सुनील जी गोयल (86) का 8 सितम्बर को अपराह्न देहावसान हो गया। वे प्रात:काल समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक श्री सुरेश गोयल के बड़े भ्राता थे। वे अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती मीताजी गोयल, बड़ी बहिन सुशीला जी, पुत्र संदीप, महीप व सुमित गोयल तथा पौत्र-पौत्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर पत्रकारों, सामजिक व राजनैतिक संगठनों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है। प्रत्यूष कार्यालय में भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मेवाड़ में सर्वप्रथम श्रीकृष्ण छापाखाना नाम से इनके पिता श्री गोपाल जी कागजी ने प्रिंटिंग प्रेस शुरु की। इनके निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी अपनी संवेदनाएं प्रकट की।

उदयपुर। श्रीमती मनोरमा रानी जी शर्मा (85) धर्मपत्नी स्व. श्री रमेशचन्द्र जी शर्मा का 15 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र संजीव भारद्वाज, नीरज भारद्वाज, पंकज भारद्वाज, डॉ. निधी भारद्वाज (धर्मपत्नी स्व. डॉ. प्रशांत भारद्वाज), डॉ. प्रसून भारद्वाज एवं पौत्र-पौत्रियों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गई हैं। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भी योगदान किया था। वे विभिन्न सामाजिक संगठनों से भी संबद्ध रहीं।

SHREE JI DHAM

AMBERI

UDA Converted Plot

PLAN FEATURES

- UDA Converted Plan
- Loanable
- 60 feet, 40 Feet Concrete Road
- Light Pole, Plantation
- Near to Banks, Colleges, Schools, Hospitals, Markets

8619827272

JAIDEEP
SENIOR SECONDARY SCHOOL
PROVIDING INCLUSIVE EDUCATION SINCE 1985

NURSERY TO 12th | SCIENCE | COMMERCE | ARTS

- Structured syllabus for strong foundations
- Passionate educators, proven results.
- Safe & Reliable Transport Network
- CCTV Surveillance
- Safe, positive, and nurturing space.

INFO : 9901584571, 7891445401

Head Office - Modern Complex, Bhuwana, Udaipur
Branches - Modern Complex | Dagliyo ki Magri | Chitrakoot Nagar

Happy Diwali

Dharmendra Mandot
Director

NAKODA
PAINTS & DECOR

THE TRUE COLOUR SHOP

100 Feet Road, Near SBI Bank, Opp. Ashoka Palace, Shobhagpura, Udaipur 313 004
Mob. : 98281 40456, E-mail : nakodapaints.udr@gmail.com

SK KHETAN GROUP

S.K. KHETAN GROUP
Mining Milestones, Constructing Legacies

S.K. Khetan Group
is a business conglomerate with diversified interest in exploration, opencast & underground mining, industrial and civil infrastructure. Having been accredited with ISO 9001:2015, ISO 14001:2015, ISO 45001:2018. the group is actively involved to facilitate end to end solutions in mining and excavation work and turnkey infrastructure development projects including construction of roads, bridges, highways, canals, railways and heavy structure works. Apart from the above the group has successfully set firm footholds in the field of Education and Hospitality.

SKK BLU HOTEL & SPA
UDAIPUR

SKK THE FERN
JAISALMER

NATURE VILLAGE RESORT
PUSHKAR

MOUNT LITERA ZEE SCHOOL
UDAIPUR

M-SAND

AGGREGATES

HUME PIPES

Head Office: SKK Elite, 43-44, I Block, Sector 14, Hiran Magri, Udaipur, Rajasthan 313001
CONTACT: 0294 264 0999

SHREE JI
DEVELOPERS

SHREEJI EXOTICA
PHASE - 2
3 & 2 BHK
LUXURY APARTMENTS

ARIHANT
GROUP

UDAIPUR BOOKING OFFICE

SHREE JI DEVELOPERS

G-05, ROOP MADHUBAN APARTMENT, 100 FT ROAD,
SHOBHAGPURA, UDAIPUR (RAJ) - 313 001
E.: shreejidevelopers1302@gmail.com
M.: 9057789352, 7357951555

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 23 अंक 6, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001